डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 224 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 29 मई 2024 | मूल्य 2 रुपया

एसी-कूलर ने बढ़ाई बिजली की खपत

मंदसौर, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। इन दिनो रोहणी अपने पूरे ताप से तप रही है। जिसे नौतपा भी कहा जाता है। इस दौरान गरमी अपना कहर बरपा रही है। इसका सीधा असर जिले की बिजली वितरण व्यवस्था पर पड़ रहा है। वहीं शहर में एसी-कूलर की बिक्री भी खूब हो रही है। शाम होते ही शहर में कूलर की दुकानों पर भीड़ देखी जा रही है। हालत यह है की दुकानों से कूलर खत्म हो गए है। कूलर के पार्ट्स, मोटर आदि का स्टाक भी दुकानो से गायब हो गया है। कूलर खरीदने आए लोगों का कहना है कि इस भीषण गरमी में कूलर राहत बन सकते हैं, लेकिन यहां कूलर नहीं मिल पाया। वहीं बिजली कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि गरमी के बढ़ते असर के चलते पंखे व कूलर दिन रात चल रहे हैं। हालांकि कुल खपत का कैलकुलेशन अभी नहीं लगाया जा सकता। लेकिन, करीब 2 गुना खपत बढ़ गई है।

जानकारी के अनुसार तेज गरमी के चलते जगह-जगह ट्रिपिंग व फाल्ट की भी समस्या आ रही है। शहर ही नहीं जिलेभर में इस तरह की परेशानियों से आमजन जूझते नजर आए। अधिकारियों का कहना है कि सामान्य सी बात है, लोड बढ़ रहा है तो केबल जल रही है। हम शिकायत या सूचना मिलते ही उसे सुधार रहे हैं। ऐसे में उनके दावे के अनुसार ज्यादा परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ रहा है। बिजली कंपनी के अधिकारियों ने करीब 3 दिन पहले ही ट्रांसफार्मर को ओवरहीट से बचाने के लिए पंखे व कूलर लगाए गए थे। अब कुछ मशीनों को भी कूलर के माध्यम से ठंडा रख रहे हैं। क्योंकि ओवरहीट के चलते मशीनों में आग लगने की आशंका अधिक होती है।

विभागीय अधिकारियों के मुताबिक शहर में विभिन्न जगहों पर वोल्टेज की समस्या को देखते हुए अर्थिंग करवाई है। कार्यपालन यंत्री प्रेम पालीवाल ने बताया कि शहर में कुछ जगहों पर अर्थिंग करवाई है। इसके अलावा गर्मी बढ़ रही तो ट्रांसफार्मर का तापमान बहुत ज्यादा बढ़ रहा है। इस समस्या से निपटने के लिए चंबल ग्रिड के ट्रांसफार्मर पर पंखे लगाए हैं। मशीनों को भी ठंडा रखने का प्रयास किया जा रहा है।

सरकारी स्कूलों में बच्चों के 35 मिनट बर्बाद..!

खेल के नाम पीरियड, खेल शिक्षक ही नहीं, न मैदान और न खेल सामगी...कैसे बनेगे खिलाड़ी

मंदसौर, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। सरकारी स्कूलों में प्रतिदिन 35 मिनट हर बच्चे की जिंदगी के बर्बाद हो रहे हैं। जी हां..यह पैतीस मिनट बर्बाद किए जा रहे हैं खेल के नाम पर। आठ पीरियड में से एक पीरियड खेल के नाम पर होता है। हकीकत यह है कि स्कूलों में न खेल मैदान है और न खेल शिक्षक। लेकिन आदेश और शेड्यूल के अनुसार स्कूलों में पीरियड लगाया जाता है। सिर्फ पीरियड लगाकर खेल प्रतिभा की खोज का काम सरकारी स्कूलों में हो रहा है।

आठवीं तक तो खेल प्रशिक्षक का ही प्रावधान नहीं...

सचिन तेंदुलकर, ध्यानचंद जैसे खिलाड़ी बनने का सपना लेकर अधिकांश विद्यार्थी हाथों में बैट व हॉकी पकड़ते हैं। पर उन्हें तैयार करने के लिए शासन द्वारा कोई सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं। सचिन तेंदुलकर ने पांच साल की उम्र में क्रिकेट का प्रशिक्षण प्रारंभ कर दिया था। शासकीय स्कूलों में 8वीं तक खेल प्रशिक्षक ही नियुक्त करने का प्रावधान नहीं है। मतलब आठवीं तक तो हॉकी, क्रिकेट या किसी अन्य खेल के नियमों के बारे में सरकारी स्कूल के बच्चे नहीं जानते। निजी स्कूलों की बात करें तो तीसरी या चौथी कक्षा से ही खेल शिक्षक बच्चों की खेल प्रतिभा की तलाश करता है।

डेढ़ लाख पर केवल 18 खेल प्रशिक्षक...

जिले में शासन द्वारा 50 शासकीय खेल प्रशिक्षक के पद स्वीकृत कर रखे हैं। इसमे भी 21 पद तो कुछ साल पहले स्वीकृत हुए हैं। पर जिले में केवल 18 खेल प्रशिक्षक नियुक्त है। 32 पद रिक्त हैं। प्राथमिक विद्यालय, माध्यमिक विद्यालय, हाईस्कूल व हायर सेकंडरी के लगभग डेढ़ लाख बच्चे इनके ही हवाले हैं।

राशि भी पर्याप्त नहीं...

शासन द्वारा प्रावि और मावि में क्रीडा शुल्क नहीं लिया जाता है। यही कारण है कि इसके लिए कोई बजट भी नहीं दिया जाता है। विद्यार्थियों से हाईस्कूल में 60 रुपए एवं हायर सेकंडरी में 100 रुपए क्रीडा शुल्क लेते हैं। इसका 45 फीसदी स्कूलों में रहता है। 40 फीसदी जिला शिक्षा विभाग एवं 15 फीसदी संयुक्त संचालक कार्यालय में जाता है। स्कूलों में प्राप्त 45 फीसदी राशि से खेल सामग्री खरीदने, स्कूल, संकुल एवं तहसील स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन कराने होते हैं। यह इतनी कम होती है कि खेल मैदान व सुविधाएं जुटा पाना मुश्किल होता है।

सिर्फ 10-12 मैदान खेलने लायक...

जिले के स्कूलों में 10-12 स्कूलों में ऐसे मैदान हैं जहां फुटबॉल, क्रिकेट और हॉकी खेला जा सकता है। इसके अलावा शेष मैदानों में स्कूल के आसपास बची खाली जगहों को ही मैदान कहा जा रहा है। इन जगहों पर बच्चे ठीक तरह से चल भी नहीं सकते हैं, खेल तो दूर की बात है। खेल एवं युवक कल्याण विभाग द्वारा दी गई खेल सामग्री भी मैदान नहीं होने के कारण उपयोग में नहीं आ रही है।

खेल पीरियड के नाम पर विभाग कर रहा खानापूर्ति...

लोक शिक्षण संचालनालय के आदेश पर स्कूलों में खेल पीरियड के नाम पर शिक्षा विभाग कोरी खानापूर्ति कर रहा है। जिले में एक दशक से खेल प्रशिक्षकों की भर्ती नहीं हुई है। इस कारण यह स्थिति बनी है। स्कूलों में खेल गतिविधियों के संचालन में आ रही दिक्कतों को देखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी खेल प्रशिक्षकों की पदस्थी किए जाने के लिए वरिष्ठ कार्यालय को पत्र लिखकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेते हैं।

गरमी से लोगों के हाल-बेहाल

स्वास्थ्य पर पड़ रहा विपरीत असर, कलेक्टर ने जारी किए निर्देश

मंदसौर, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। तेज गरमी से इन दिनों लोगों के हाल बेहाल है। लू के थपडे चल रहें है। इससे

लोगो के स्वास्थ्य पर विपरित असर पड़ रहा है। स्थिति को देखते हुए जिले में अब स्वास्थ्यकर्मियों के अवकाश भी निरस्त कर दिए गए है। कलेक्टर ने इस संबंध में निर्देश जारी किया है।

मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार जिले में लू-तापघात का प्रकोप आगामी दिनों में भी बने रहने की आशंका व्यक्त की गई है। इस कारण कलेक्टर श्री दिलीप यादव ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मन्दसौर को निर्देश दिए हैं कि, समस्त स्वास्थ्य कर्मियों (यथा चिकित्सक, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ एवं सपोर्ट स्टाफ) के अवकाश निरस्त करते हुए उन्हे मुख्यालय पर निवास करने हेतु पाबंद करें। विशेष परिस्थिति में स्वास्थ्यकर्मी का अवकाश स्वीकृत करने की दशा में अवकाश स्वीकृति की सूचना अनिवार्य रूप से कलेक्टर कार्यालय को दी जाए।

मंगलवार को नौतपा का चौथा दिन था। मौसम विभाग की आशंका के अनुसार सूरज ने जमकर आग बरसाई। मौसम विभाग ने जिले में मंगलवार और बुधवार हीट वेव के रेड अलर्ट जारी किया था। वहीं आमजन को लू से बचने की सलाह दी है। आज भी गर्मी का असर इसी तरह से रहेगा। हालांकि शाम को तेज हवाओं के चलने से थोड़ी राहत है। जिले में अधिकतम तापमान 43 डिग्री व न्यूनतम तापमान 28 डिग्री एक आसपास बना हुआ है। मौसम विभाग में 28-29 मई को लू का रेड अलर्ट व 30 मई को येलो अलर्ट जारी किया है।मौसम विज्ञान केंद्र भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में भीषण गर्मी है। वहीं, उत्तरी हिस्सा भी काफी गर्म है। आगे भी यहां गर्मी का असर देखने को मिलेगा। वहीं, आने वाले एक सप्ताह तक ऐसा ही मौसम रहेगा।

कलेक्टर ने यह भी दिए निर्देश– समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं (शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों) में लू-तापघात हेतु पृथक से बिस्तर रखें जाए तथा पर्याप्त मात्रा में आवश्यक दवाईयों आदि का स्टॉक रखा जाए। लू-तापघात के मरीजों हेतु संस्थाओं में आवश्यक उपकरण भी चालु हालत में यह सुनिश्चित किया जाए। सार्वजनिक स्थलों पर एम्बुलेंस/ 108 को विशेषकर दोपहर के समय तैयार स्थिति में रखा जावे ताकि किसी व्यक्ति को लू लगने पर तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके। एम्बुलेंस / 108 अनिवार्य रूप से चालु हालत में हों यह भी सुनिश्चित किया जावे। इसके अतिरिक्त किसी क्षेत्र विशेष में किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति निर्मित होती है तो उसकी सूचना तत्काल कलेक्टर को दी जावे। जिला कार्यालय / ब्लाक कार्यालय पर एक कंट्रोल रूम की स्थापना करते हुए कर्मचारियों की 08-08 घण्टे की ड्युटी भी लगाऐं तथा कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबरों का प्रचार प्रसार किया जाए, ताकि आवश्यकता होने पर आमजन इन नंबरों पर संपर्क कर सकें।

अपहरण व फिरोती के मामले में गिरफ्तार पिता-पुत्र सहित 3 को भेजा जैल

पिपलियामंडी, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। मारपीट कर अपहरण करने व फिरोती मांगने के मामले में गिरफ्तार पिता-पुत्र सहित तीन आरोपियों को न्यायालय ने जैल भेजने के आदेश दिए। पिपलिया टीआई नीरज सारवान ने बताया कि बोतलगंज निवासी नारु पिता मोहम्मद ने 26 मई को पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके बेटे तालिब का अपहरण हो गया है, फरियादी ने बताया कि उसका लड़का तालिब, मुलतानपुरा निवासी शेरु पिता फारुख झोपड़ी के यहां कार्य करता था, जो शेरु से 8 हजार रुपए मांगता था। शेरु ने रुपए नही दिए और उसके पिता फारुख, उसके जीजा बोतलगंज निवासी आरिफ मुंशी के साथ बोतलगंज आया और मेरे बेटे ताबिल से गाली-गलौज कर मारपीट की, तीनों तालिब को मुलतानपुरा की ओर अपहरण कर ले गए और उल्टा हमसे रुपए की मांग की। अपहरण करने वालों के चंगुल से मुक्त होकर तालिब ने तीनों आरोपियों के खिलाफ अपहरण करने का बयान दिया। पुलिस ने मंगलवार को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जिन्हें न्यायालय ने जैल भेजने के आदेश दिए।

सट्टा बाजार बता रहा सुधीर की भारी जीत

मंदसौर-नीमच-रतलाम का सट्टा बाजार भाजपा के पक्ष में

मंदसौर, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। देश भर में इंदौर, फलौदी सहित कई सट्टा बाजारो में कहीं भाजपा तो कहीं कांग्रेस तो कहीं अन्य की जीत बताई जा रही है और इस पर जमकर सट्टा लग रहा है। मंदसौर, नीमच और रतलाम का सट्टा बाजार भी मंदसौर नीमच संसदीय क्षेत्र में भाजपा को भारी बता रहा है। राजस्थान के फलोदी सट्टा बाजार के बाद अब मध्यप्रदेश के रतलाम के सट्टा बाजार ने लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा कांग्रेस की सीटों को लेकर भविष्यवाणी की है। रतलाम सट्टा मार्केट ने मध्यप्रदेश की 29 लोकसभा सीटों के साथ ही देश के कई प्रमुख राज्यों में भाजपा-कांग्रेस को मिल रही सीटों को लेकर भविष्यवाणी की है। एक तरफ जहां मध्यप्रदेश को लेकर भाजपा व कांग्रेस के अपने-अपने दावे हैं तो दूसरी तरफ रतलाम, मंदसौर व नीमच का सट्टा बाजार भी मध्यप्रदेश में दोनों प्रमुख दल को अपने अनुसार सीट देता नजर आ रहा है। रतलाम के सट्टा बाजार के अनुसार भाजपा को 26 से 28 तो कांग्रेस के खाते में 1 से 3 सीट जा रही है। इधर फलोदी और रतलाम के सट्टा बाजार के आंकड़ों के बाद मंदसौर के सटोरिए मंदसौर संसदीय क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी सुधीर गुप्ता को आगे बता रहे हैं।

रतलाम सट्टा बाजार की भविष्यवाणी...

रतलाम सट्टा बाजार से जुड़े सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा का पलड़ा भारी है और भाजपा देश में सरकार बना रही है। मध्यप्रदेश में भी भाजपा बड़ी जीत दर्ज कर रही है। रतलाम सट्टा बाजार के मुताबिक मध्यप्रदेश की 29 सीटों में से भाजपा 26-29 तो कांग्रेस 1-3 सीटें जीत सकती है। तो वहीं उत्तर प्रदेश में भाजपा 64-66 सीटें, गुजरात में 24-25 सीटें, राजस्थान में 24-25 सीटें, दिल्ली में 6-7 सीटें, पंजाब में 2 सीटें, तमिलनाडू में 3-4 सीटें जीत सकती है।

चलते-चलते लगा लेते है सट्टा...

रतलाम का घांस बाजार सटोरियो का गढ़ है, जहां जमकर सट्टेबाजी की जाती है। बता दें कि

रतलाम के सट्टा बाजार में रोड पर जाता इंसान सीधे जाएगा या कहीं मुड़ेगा इस बात पर भी सट्टा लग जाता है। आईपीएल क्रिकेट मैचों पर सट्टा यहां लंबे समय से चल रहा है। इतना ही नहीं, दौलतगंज क्षेत्र में तो भट्टी से निकलती गर्म गर्म सेव खाते हुए ही लाखों रुपए के दांव सट्टा बाजार में लगा दिए जाते है।

विशेष: यहां पर दी गई जानकारी मीडिया रिपोर्टर्स और सट्टा बाजारों के जानकारों के माध्यम से दी गई है। हमारा उद्देश्य सट्टे को किसी भी प्रकार से प्रोत्साहन करना नहीं है।

31 जिलो के 66 नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता रद्द

मंदसौर, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश सरकार ने मंगलवार को 66 नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता रद्द कर दी। यह कार्रवाई हाईकोर्ट के निर्देश पर की है। ये कॉलेज इंडियन नर्सिंग काउंसिल के मानकों पर की गई सीबीआई जांच में अनफिट पाए गए थे। हालांकि इसमें मंदसौर का एक भी कॉलेज नहीं है।

सीबीआई जांच रिपोर्ट में मंदसौर के सभी निजी कॉलेजों को फीट बताया गया था। हाईकोर्ट के आदेश के बाद सरकार ने संबंधित नर्सिंग कॉलेजों को सील करने की कार्रवाई के निर्देश संबधित जिलों के कलेक्टर्स को दिए हैं। इसके लिए आयुक्त चिकित्सा शिक्षा ने कलेक्टरों को अनफिट नर्सिंग कॉलेजों की सूची भेज दी है। चिकित्सा शिक्षा संचालनालय की रिपोर्ट के मुताबिक सीबीआई ने प्रदेश के 31 जिलों में कुल 66 नर्सिंग कॉलेजों को अनसूटेबल बताया है। इनमें सबसे ज्यादा 8 कॉलेज बैतूल जिले के हैं। भोपाल दूसरे नंबर पर है।

मुख्य साजिशकर्ता लक्की सिंहल से पूछताछ जारी

सात दिन की रिमांड में और भी खुलेंगे राज, चौकाने वाली जानकारी भी आ सकती है सामने

मंदसौर, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। समाजसेवी एवं व्यवसाई अशोक अरोरा गंगानगर गोली कांड के मामले में मुख्य साजिश कर्ता के रूप में संदेही अर्पित उर्फ लक्की सिंहल को पुलिस की स्पेशल टीम ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। नीमच सिटी पुलिस ने सोमवार शाम को आरोपी लक्की सिंहल को उसके साथी के साथ कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। नीमच पुलिस ने आरोपी अर्पित सिंहल पर 20 हजार रुपए का इनाम घोषित किया हुआ था। उस पर धारा 307 के अलावा और भी कई धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध है।

पुलिस से बचने के लिये बदल रहा था ठिकाने...

फरारी के दौरान आरोपी लक्की सिंहल ने कई ठिकाने बदले। इसके लिए उसने कई मोबाइल और सीमें भी बदली। इसके अलावा तकनीकी सहायता से वह हर बाद पुलिस को चकमा देता रहा। पुलिस ने लक्की के साथ अंकित पिता जगदीश कुमावत निवासी भाटखेड़ा को भी गिरफ्तार किया है। अंकित पर अर्पित सिंहल को संरक्षण देने का आरोप है। वह लक्की की हर तरह की मदद कर रहा था। उल्लेखनीय है कि शहर के प्रसिद्ध समाजसेवी एवं व्यवसाई अशोक अरोरा गंगानगर पर अज्ञात हमलावरों ने 04 फरवरी को लायंस पार्क चौराहा के समीप फायरिंग कर जानलेवा हमला कर दिया था। इस गोलीकांड में एक हमलावर मारा गया था। कारोबारी श्री अरोरा बाल बाल बच गए थे। मामले में कई अन्य आरोपियों को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। इसी मामले का मुख्य मास्टर माईड अर्पित उर्फ लक्की सिंहल फरार चल रहा था। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। रिमांड के दौरान लक्की और भी राज खोल सकता है।

लोकसभा चुनाव के परिणाम के बाद मप्र में उपचुनाव

भोपाल, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में लोकसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने के साथ ही उपचुनाव की तैयारी प्रारंभ हो जाएगी। दो राज्य सभा सदस्य दिग्विजय सिंह और ज्योतिरादित्य सिंधिया चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, विधायक शिवराज सिंह चौहान, फुंदेलाल सिंह मार्को, ओमकार सिंह मरकाम, सिद्धार्थ कुशवाहा, फूल सिंह बरैया और महेश परमार ने भी चुनाव लड़ा हैं। इनकी सीटों के परिणाम से निर्धारित होगा कि कहां-कहां उपचुनाव होंगे। उल्लेखनीय है कि छिंदवाड़ा जिले की अमरवाड़ा सीट से कांग्रेस विधायक कमलेश शाह के त्यागपत्र देने से एक सीट पहले ही रिक्त हो चुकी है।

लोकसभा के चुनावी रण में दिग्गज...

प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस, दोनों ने अपने वरिष्ठ नेताओं के साथ युवा चेहरों को मैदान में उतारा था। कांग्रेस ने जहां राज्य सभा सदस्य दिग्विजय सिंह को उनके गृह क्षेत्र राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ाया तो भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को विदिशा से एक बार फिर मैदान में उतारा।

जीतने पर छोड़नी होगी कुर्सी, होंगे उपचुनाव...

राज्य सभा सदस्य ज्योतिरादित्य सिंधिया अपनी परंपरागत सीट गुना से लोकसभा चुनाव लड़े। दिग्विजय सिंह और ज्योतिरादित्य सिंधिया का राज्य सभा का कार्यकाल नौ अप्रैल 2026 तक है, यानी लोकसभा चुनाव जीतने की सूरत में उन्हें राज्य सभा की सदस्यता से त्यागपत्र देना होगा। इसी तरह शिवराज सिंह चौहान बुधनी विधानसभा से विधायक हैं। कांग्रेस ने पुष्पराजगढ़ से विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को, डिंडौरी से विधायक ओमकार सिंह मरकाम, सतना से सिद्धार्थ कुशवाहा, भांडेर से फूल सिंह बरैया और तराना विधानसभा क्षेत्र से विधायक महेश परमार को चुनाव लड़ाया। इनके चुनाव जीतने की स्थिति में उपचुनाव होंगे।

इन सीटों पर भी संशय बरकरार...

छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा से कांग्रेस विधायक कमलेश शाह पहले ही विधानसभा की सदस्यता से त्यागपत्र दे चुके हैं। विधानसभा सचिवालय ने सीट भी रिक्त घोषित कर दी है। कांग्रेस के दो अन्य विधायक रामनिवास रावत और निर्मला सप्रे की सदस्यता पर भी तलवार लटकी हुई है। भाजपा ने चुनाव के दौरान दोनों विधायकों को अपने मंच पर लाकर कांग्रेस को बड़ा झटका दिया था। कांग्रेस इनकी विधानसभा सदस्यता समाप्त कराने को लेकर नियम, प्रक्रिया से लेकर विधिक स्थिति का अध्ययन करा रही है।

मानसून के बाद होंगे उपचुनाव...

अधिकारियों का कहना है कि उपचुनाव मानसून के बाद कराए जाएंगे। अभी केवल अमरवाड़ा विधानसभा सीट रिक्त होने की सूचना विधानसभा सचिवालय से प्राप्त हुई है, जिसे चुनाव आयोग को भेजा गया है। सामान्यत: सीट रिक्त घोषित होने से छह माह के भीतर चुनाव करा दिए जाते हैं। राज्य सभा की सीट ज्यादा समय रिक्त नहीं रहती है, इसलिए उसके चुनाव पहले हो सकते हैं। वैसे भी उसमें मतदाता विधायक होते हैं और दलीय स्थिति स्पष्ट होने के कारण अधिकतर निर्विरोध निर्वाचन ही होता है। उधर, विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों का कहना है कि दलीय स्थिति के अनुसार भाजपा की सदस्य संख्या 163 और कांग्रेस की 65 है। एक सदस्य भारत आदिवासी पार्टी से हैं तो एक सीट रिक्त है।

यह कैसी यातायात व्यवस्था– नो एंट्री में भी ओवर लोड वाहन की एंट्री कोई रोकने वाला नहीं है। फोटो मंगलवार सुबह 11.15 बजे का है। आखिर ग्रामीणों को रोककर दोपहिया वाहनो के चालान बनाने वाली यातायात पुलिस को यह खामी क्यों नहीं दिखती है।

विचार-मंथन

क्या तकनीकी जासूसी है चीन की कामयाबी का राज

वर्ष 1980 में चीन ने पहली बार 4 स्पैशल इकोनॉमिक जोन बनाए थे। जिन्हें एस.ई.जैड. कहा जाता है। यानी आज से तकरीबन 43 वर्ष पहले चीन ने बड़े औद्योगिक स्तर पर वस्तुओं के निर्माण की दिशा में बड़ा और ठोस कदम बढ़ा लिया था। इससे पहले आयरलैंड में 1950 में एस.ई.जैड. स्थापित किया गया था।

अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में इन दिनों एक खबर प्रमुखता बनाए हुए है। जिसका सार यह है कि अमरीका, ऑस्ट्रेलिया समेत पश्चिम के देशों की इन दिनों एक नई चुनौती सामने आने के बाद नींद उड़ी हुई है। यह चुनौती पैदा हुई है चीन द्वारा कथित तौर पर की जा रही नए तरीके की जासूसी से। विश्व में बड़े प्लेयर की भूमिका निभाने वाले इन देशों की खुफिया एजेंसियां आरोप लगा रही है कि चीन तकनीक और औद्योगिक जासूसी के काम में बरसों से लिप्त है लेकिन इस तरफ किसी का सहजता से ध्यान नहीं गया। यह मामला खुफिया एजेंसियों द्वारा जिस तरह के मामलों की जासूसी की जाती है उससे बिल्कुल ही अलग है। बी.बी.सी. को दिए इंटरव्यू में ऑस्ट्रेलिया की खुफिया एजेंसी ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा और खुफिया संगठन माईक बर्गेस का कथन प्रकाशित हुआ है जिसमें कहा गया है कि उनकी एजेंसी बीते 74 सालों में इतनी व्यस्त कभी नहीं रही जितनी अब व्यस्त है। पश्चिमी देशों ने इस खतरे को समझने में देरी की है। दरअसल हम सामूहिक तौर पर चूक गए हैं। कमर्शियल जासूसी बिल्कुल अलग मामला है। ऐसे मामलों पर अब ब्रिटेन की एम 16 विदेशी खुफिया एजेंसी प्रमुख का भी बयान इंटरनेशनल मीडिया में सामने आया है जिसमें कहा गया है कि चीन ये लंबे समय से करता आ रहा है। तो क्या चीन की उत्पादन और निर्माण में दुनिया भर में बादशाहत या कहें राज करने की स्थिति तक पहुंचने में इस कमर्शियल जासूसी का ही बड़ा योगदान है? इसका जवाब हां में निकल कर आ रहा है क्योंकि पश्चिम ने जो आरोप लगाया है उसमें कहा गया है कि चीन का कमर्शियल जासूसी नैटवर्क एकत्रित की गई सूचनाओं को चीन की कंपनियों से सांझा करता है। जाहिर-सी बात है इन सूचनाओं का उपयोग चीनी कंपनियां अपने प्रोडक्ट के निर्माण और गुणवत्ता और नए आविष्कारों के लिए करती हैं। इसे समझने के लिए हमें 80 के दशक में जाना होगा। वर्ष 1980 में चीन ने पहली बार 4 स्पैशल इकोनॉमिक जोन बनाए थे। जिन्हें एस.ई.जैड. कहा जाता है। यानी आज से तकरीबन 43 वर्ष पहले चीन ने बड़े औद्योगिक स्तर पर वस्तुओं के निर्माण की दिशा में बड़ा और ठोस कदम बढ़ा लिया था। इससे पहले आयरलैंड में 1950 में एस.ई.जैड. स्थापित किया गया था। उसके बाद कुछ अन्य देशों में भी ऐसे प्रयास हुए लेकिन वहां वो सफलता शायद नहीं मिल पाई जो चीन ने हासिल कर ली। चीन एस.ई.जैड. के माध्यम से न केवल विश्व में बड़ा निर्माता बन कर उभरा है, बल्कि विश्व की कई बड़ी कंपनियों को अपने उद्योग चीन में स्थापित करने के लिए प्रेरित करने में कामयाब रहा। सस्ती लागत और सस्ते कामगार इसका कारण शायद रहे होंगे। आज दुनिया भर के देशों में अनेकों वस्तुओं के निर्माण में काम आने वाले कच्चे माल (रॉ मैटीरियल) का जहां मुख्य आपूर्तिकर्त्ता है वहीं विश्व के अधिकांश देशों के बाजार चीन के तैयार माल से पटे पड़े हैं। जहां चीन का तैयार माल खूब बिक रहा है उन देशों की सूची में जहां अफ्रीका के गरीबी से जूझ रहे देश शामिल हैं वहीं चीन की मार्केट में शुमार देशों में अमरीका जैसे विकसित और भारत जैसे विकासशील देश भी शामिल हैं। चीन ने न केवल अपने यहां बड़े और विशाल एस.ई.जैड. विकसित किए बल्कि अफ्रीकी देशों की भी एस.ई.जैड. शुरू करने में न केवल मदद की बल्कि उन्हें वित्तीय मदद भी की। उपलब्ध जानकारी के अनुसार चीन ने नाइजीरिया, डिजीबूटी, केन्या, जाम्बिया, मॉरीशस, मॉरिटानिया, अल्जीरिया और इजिप्ट जैसे देशों की एस.ई.जैड. स्थापित करने में मदद की और उन्हें चाइना अफ्रीका डिवैल्पमैंट फंड तथा फोरम ऑन चाईना अफ्रीका कोऑपरेशन के माध्यम से लंबी अवधि के लिए कर्ज भी दिया बदले में चीन ने अपने हितों को प्राथमिकता दी, वहां के बाजार इसका प्रमाण हैं। चीन आज दुनिया में छोटी छोटी वस्तुओं से लेकर बड़ी मशीनरी, कैमिकल्स सहित अनेक क्षेत्रों के लिए मुख्य आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। भारत में भी एस.ई.जैड. की स्थापना का कार्य वर्ष 2005 के बाद विदेश निवेश कानून बनने के बाद चर्चा में आया था। आज देश में 359 एस.ई.जैड. पर कार्य चल रहा है और 425 को मंजूरी दी जा चुकी है। इसमें आधे से ज्यादा को मंजूरी 2005 के बाद प्राप्त हुई है।

केवल शेषन ही क्यों, गिल और चावला पर भी चर्चा हो...

अजय सेतिया

विपक्ष ने 2014 के बाद नियुक्त हर मुख्य चुनाव आयुक्त की निष्पक्षता पर सवाल उठाया है। मोदी सरकार बनने के बाद अचानक ईवीएम पर भी सवाल उठाए जाने लगे। कुछ एनजीओ ईवीएम और चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों को लेकर सुप्रीमकोर्ट चले गए। ईवीएम का विकास इंदिरा गांधी के जमाने में शुरू हुआ था और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया वही चल रही थी जो जवाहर लाल नेहरू ने शुरू की की थी। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने भी उसी प्रक्रिया को अपनाया था और बाद में नरेंद्र मोदी भी वही प्रक्रिया अपना रहे थे। विधि मंत्रालय सचिव स्तर के मौजूदा या रिटायर्ड अधिकारियों की सूची बनाता था, फिर उसमें से तीन का चयन होता है, जिसे प्रधानमंत्री को सौंप दिया जाता था। प्रधानमंत्री सलाह मशविरा करके राष्ट्रपति को नियुक्ति की सिफारिश भेज देते थे। हालांकि संविधान सभा ने उम्मीद की थी कि चुनाव आयुक्त की नियुक्ति का एक ढांचा विकसित किया जाएगा, लेकिन नेहरू से लेकर मोदी तक किसी ने कोई ढांचा विकसित नहीं किया था। जो मनमानी प्रक्रिया नेहरू ने अपनाई थी, उसे सभी अपनाते रहे। लेकिन मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद एक लॉबी को तरह तरह की आशंकाएं सताने लगी और वे 2015 में ही सुप्रीमकोर्ट पहुंच गए। ढेरों याचिकाएं दाखिल की गईं, जिन्हें सुप्रीमकोर्ट ने 2018 में पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ को सौंप दिया। जस्टिस के. एम. जोसफ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ ने 2 मार्च 2023 को फैसला सुनाया कि जब तक संसद से क़ानून नहीं बनता, तब तक चुनाव आयुक्तों और मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और चीफ जस्टिस का पैनल करेगा। हालांकि मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की अलग से प्रक्रिया ही नहीं है, वह वरीयता के आधार पर बनता है। स्वाभाविक है चीफ जस्टिस का पैनल में शामिल किया जाना सरकार को नागवार गुजरा। सरकार ने अगस्त में ही नियुक्ति प्रक्रिया का नया बिल बना कर संसद में पेश कर दिया, जिसे दिसंबर 2023 में संसद ने पास भी कर दिया। इस बिल में चीफ जस्टिस की जगह केंद्र सरकार का एक मंत्री कर दिया गया था। विपक्ष ने इस बिल का विरोध किया था, लेकिन जब संसद ने पास कर दिया तो कांग्रेस ने क़ानून को सुप्रीमकोर्ट में फिर चुनौती दी और कहा कि यह संवैधानिक पीठ के आदेश का उल्लंघन है। कांग्रेस की नेता जया ठाकुर ने सुप्रीमकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इस बीच एक चुनाव आयुक्त अनूप चन्द्र पांडे रिटायर हो गए और लोकसभा चुनावों की घोषणा से कुछ दिन पहले 9 मार्च को एक अन्य आयुक्त अरुण गोयल ने इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस चाहती थी कि जब तक सुप्रीमकोर्ट उनकी याचिका पर फैसला न करे, तब तक कोई चुनाव आयुक्त नियुक्त न किया जाए, लेकिन मोदी सरकार ने पैनल के कांग्रेसी सदस्य अधीर रंजन चौधरी के विरोध के बावजूद बहुमत के आधार पर दो नए चुनाव आयुक्त नियुक्त कर दिए। ये नियुक्तियां चुनावों की घोषणा से 48 घंटे पहले हुई थी। सरकार ने सुप्रीमकोर्ट में दो टूक शब्दों में कहा कि क्या किसी संवैधानिक संस्था की निष्पक्षता तभी सिद्ध होगी, जब सिलेक्शन पैनल में ज्यूडिशियल मेंबर हो। सुप्रीमकोर्ट ने चुनाव प्रक्रिया शुरू हो जाने के कारण नई नियुक्तियों पर रोक लगाने से इंकार कर दिया था। जिस दिन से चुनाव प्रक्रिया शुरू हुई है, उस दिन से कांग्रेस और अन्य विपक्षी नेता चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठा रहे हैं। पिछले दिनों जब राजनीतिक दलों के चुनाव प्रचारकों के खिलाफ आई शिकायतों पर चुनाव आयोग ने उस पार्टी के अध्यक्ष को नोटिस देने की प्रक्रिया शुरू की, तो इस पर कांग्रेस ने कड़ा एतराज जताया क्योंकि चुनाव आयोग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आई शिकायत पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को और राहुल गांधी के खिलाफ आई शिकायत पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को नोटिस दिया था। कांग्रेस ने चुनाव आयोग की आलोचना करते हुए कहा कि उसने प्रधानमंत्री का बचाव करने के लिए यह प्रक्रिया अपनाई है। चुनाव आयोग और आयोग के सदस्यों की आलोचना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कभी टिप्पणी नहीं की थी, लेकिन 23 मई को एक इंटरव्यू में उन्होंने गढ़े मुर्दे उखाड़ दिए, जब उन्होंने बिना नाम लिए टी.एन. शेषन की निष्पक्षता पर सवाल उठा दिया, जो बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए थे और 1999 में गुजरात की गांधीनगर सीट पर भाजपा के शीर्ष नेता लाल कृष्ण आडवाणी के खिलाफ कांग्रेस के टिकट पर चुनाव में उतरे थे। 21 मई 1991 को राजीव गांधी की हत्या के समय लोकसभा के चुनाव चल रहे थे, तब टी.एन. शेषन एक मात्र चुनाव आयुक्त थे। परंपरा यह है कि चुनावों के दौरान किसी राजनीतिक दल के उम्मीदवार की मौत हो जाती है, और तब तक उसकी सीट पर वोटिंग नहीं हुई हो, तो सिर्फ उस सीट का चुनाव स्थगित कर दिया जाता है और बाद में नई नामांकन प्रक्रिया के साथ चुनाव करवाया जाता है। लेकिन राजीव गांधी के करीबी रहे शेषन ने 21 दिन तक बाकी सभी सीटों पर चुनावों को स्थगित कर दिया था। हालांकि देश के सात मुख्यमंत्रियों ने 21 दिन तक चुनाव स्थगित करने का विरोध किया था, लेकिन शेषन ने किसी की नहीं सुनी थी। कांग्रेस ने इन 21 दिनों में राजीव गांधी की अस्थियों को देश भर में घुमा कर कांग्रेस के पक्ष में वातावरण बनाया। कांग्रेस के विज्ञापनों में राजीव गांधी की अंतिम यात्रा के साथ सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी के फोटो का इस्तेमाल किया जिस कारण कांग्रेस के पक्ष में सहानुभूति पैदा हुई और चुनाव के बाद बहुमत नहीं मिलने के बावजूद कांग्रेस सरकार बन गई। टी.एन. शेषन की नियुक्ति चन्द्रशेखर के प्रधानमंत्रित्व काल में राजीव गांधी की सलाह से ही की गई थी। क्योंकि उस समय चंद्र शेखर की सरकार कांग्रेस के समर्थन पर ही टिकी हुई थी।

लक्ष्य पाने के लिए अपनी क्षमताओं का करें वास्तविक आकलन

राजेंद्र बज

हर किसी की जिंदगी में कोई विशेष चाहत होती है। आमतौर पर ऐसी चाहत कभी अपने लिए या कभी अपने परिवार के लिए हुआ करती है। इस संदर्भ में मन, वचन और कर्म की एकाग्रता के साथ मनोवांछित लक्ष्य तक पहुंचने का प्रयास किया जाता है। मगर व्यावहारिक रूप से ऐसा बहुत कम संभव हो पाता है कि भरपूर प्रयासों के पश्चात भी हर कोई मनोवांछित लक्ष्य को पा सके। कई बार हम अपनी क्षमताओं का वास्तविक आकलन करने में गंभीर भूल कर बैठते हैं। इसके चलते कभी क्षमताओं का पर्याप्त दोहन नहीं हो पाता तो कभी अपने आप पर जरूरत से ज्यादा विश्वास कर लिया जाता है। नतीजतन, अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाते और हम निराशा के गहन अंधकार में डूब कर रह जाते हैं। हालांकि यह भी विचारणीय है कि दुनिया में जितनी तरह की विविधताएं हैं, जितने तरह के लोग हैं, जितनी तरह सोचने-विचारने के ध्रुव हैं, उसमें क्या यह अनिवार्य है कि हम जो भी करना चाहें, उसमें हर बार हमें कामयाबी मिले ही? इस संदर्भ में आवश्यकता इस बात की है कि कोई भी लक्ष्य निर्धारित करने के पूर्व हमें अपनी वास्तविक क्षमताओं का पर्याप्त आकलन तमाम संभावित चुनौतियों को ध्यान में रखकर करना चाहिए। यह सच है कि यथार्थ के धरातल पर टिकी सोच के आधार पर ही भविष्य निर्माण की परिकल्पनाओं को साकार सिद्ध किया जा सकता है। लेकिन जीवन में महत्त्वपूर्ण मुकाम पाने के लिए महत्त्वाकांक्षा का होना भी एक आवश्यक शर्त है। कभी-कभी वांछित लक्ष्य को पाने के लिए संभावनाओं का पूर्वानुमान भी लगाना होता है। जीवन में प्रगति पथ पर अग्रसर रहने के लिए हौसलों की उड़ान भी बहुत मायने रखती है। ऐसी स्थिति में हमारा आत्मबल ही हमें संबल देता है। अगर कुछ नाकामियों के बाद भी हमारा आत्मबल कायम रह जाता है तो निश्चित रूप से कामयाबी हमारे रास्ते में होगी। दरअसल, परिस्थितियां कभी भी एक समान नहीं होतीं। अनेक अवसरों पर ऐसे कारण और निमित्त बन जाते हैं कि हमें अपनी कार्ययोजना में कहीं-कहीं आंशिक परिवर्तन भी करने होते हैं। हमें ऐसे संभावित परिवर्तनों के प्रति मानसिक रूप से तैयार रहने की जरूरत होती है। कभी-कभी पारिवारिक, सामाजिक या आर्थिक कारणों के चलते वांछित लक्ष्य में परिवर्तन करना भी जरूरी हो जाता है। ऐसे में हमें भविष्य निर्माण की अन्य संभावनाओं पर भी विचार कर लेना चाहिए। ऐसा करने पर जीवन की दशा और दिशा में तब्दीली करना भी पड़े, तो भी मन में कोफ्त नहीं होती। किसी एक ही लक्ष्य पर पूर्ण रूप से अडिग रहना आज के दौर में व्यावहारिक दृष्टिकोण से सही नहीं कहा जा सकता। बल्कि ऐसा भी होता है कि किसी एक लक्ष्य या तरीके पर टिके रहना या उस पर जिद करना ही हमारी कामयाबी की राहों में सबसे बड़ा अड़चन होता है। जब दौड़ प्रतियोगिता होती है, तब सारे धावक प्रथम आने की कामना करते हैं, लेकिन सब आ नहीं पाते। ऐसे में दूसरा, तीसरा या अंतिम स्थान भी मिले तो यह सोचकर दिल को सुकून होना चाहिए कि यही एकमात्र प्रतियोगिता जिंदगी की आखिरी प्रतियोगिता नहीं थी। आगे अवसर और भी आएंगे, तब इस प्रतियोगिता में पिछड़ना भी हमारे रियाज के रूप में हमें और अधिक काबिल बनाने में सहायक होगा। लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के प्रयास कभी अकारथ नहीं जाते। कहीं-न-कहीं उसका प्रतिफल देर सबेर ही सही, लेकिन मिलता अवश्य है। और कुछ नहीं तो अनुभव का लाभ तो जीवन में कभी-न-कभी काम आता ही है। इसलिए हमें प्रयास करना किसी भी हालत में छोड़ना नहीं चाहिए। जब हम विराट लक्ष्य को सामने रखकर उसे जगजाहिर कर देते हैं, तो बहुत स्वाभाविक है कि हमें हतोत्साहित किए जाने के प्रयास होने लगें। आज के दौर में उत्साहवर्धन करने वालों की अपेक्षा मनोबल तोड़ने वालों की बहुतायत है। ऐसी स्थिति में मन की दृढ़ता ही हमारे काम आती है। इस संसार में असंभव कुछ भी नहीं। बहुतेरे लोग वांछित लक्ष्य को पाने का प्रयास ही नहीं करते और यह सोचकर बैठ जाते हैं कि 'मैं ऐसा कैसे कर सकूंगा'! इस संदर्भ में दुष्यंत कुमार की यह पंक्ति बड़ी माकूल जान पड़ती है कि 'कौन कहता है कि आसमान में सूराख नहीं हो सकता, एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारो।' दरअसल, परिणाम चाहे जो हो, किसी भी दिशा में कुछ न कुछ करने का सिला मिलता ही है। जीवन में अपने लक्ष्य के विकल्प का होना अत्यंत आवश्यक है। अन्यथा मनचाही चाहत के सर्वथा अपूर्ण रहने पर अवसाद से घिर जाने का अंदेशा बना रहता है। संकल्प का विकल्प नित नई संभावनाओं के द्वार खोलता है।

सीटों पर जीत की 'सियासी सट्टेबाजी' और वोटर का विवेक

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विभिन्न टीवी न्यूज चैनलों को दिए जा रहे इंटरव्यू के बाद अगर किसी साक्षात्कार की चर्चा है तो वो है भाजपा के पूर्व चुनावी रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर की। अपना पुराना धंधा छोड़कर राजनेता बने प्रशांत किशोर (पीके) ने यह कहकर सनसनी फैला दी कि भाजपा का 370 का नारा भले ही अवास्तविक लगे, लेकिन पार्टी 270 से नीचे हरगिज नहीं जा रही। दूसरे अगर बीजेपी 370 के नीचे गई तो निवेशकों को भारी नुकसान होगा। अगर प्रशांत किशोर के दावे को सही मानें तो देश में मोदी राज 3.0 तकरीबन तय है। उधर पीएम मोदी ने भी कह दिया है कि 400 पार के नारे को आंकड़ों में न पकड़ें, इसका भावार्थ लें कि चुनाव में एनडीए इसके आसपास रहने वाला है। यहां पीके की बात में कुछ दम इसलिए है कि वो भाजपा के अलावा भी कुछ दूसरी विपक्षी पार्टियों के चुनावी रणनीतिकार रह चुके हैं और अब खुद एक जन स्वराज पार्टी के संस्थापक हैं। पीके का चुनाव के करंट को पकड़ने और नापने का अपना तरीका है। अलबत्ता पीके के इस बयान ने विपक्ष के उस सोशल मीडियाई नरेटिव को तगड़ा झटका दिया है, जिसमें चार चरण बाद ही मोदी की सत्ता से बेदखली के गारंटी के साथ दावे किए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि भाजपा तो क्या समूचा एनडीए भी 272 के जादुई आंकड़े तक नहीं पहुंच रहा, कारण कि पूरे देश में भाजपा और मोदी विरोधी हवा है और इसका सीधा चुनावी फायदा इंडिया गठबंधन को हो रहा है। इसी आधार पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने दावा किया है कि पांच चरणों में कुल 428 सीटों पर हुई वोटिंग में इंडिया गठबंधन 350 सीटें जीत रहा है। दूसरी तरफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का दावा है कि पांचवे चरण के बाद भाजपा सहित एनडीए गठबंधन की 310 सीटों पर जीत पक्की है। हम सरकार तो बना ही रहे हैं, अब सवाल सिर्फ 400 सीटों की फिनिश लाइन को टच करने का है। यह शायद पहला चुनाव है, जिसमें हर चरण के बाद दोनों मुख्य प्रतिद्वंद्वी गठबंधनों द्वारा जीत के आंकड़े 'राजनीतिक सट्टेबाजी' की तरह जारी किए जा रहे हैं, जबकि चुनाव के दो चरण अभी बाकी हैं। इस मनोवैज्ञानिक सियासी द्वंद्व का लक्ष्य मानो यह है कि क्लास टेस्ट के अंकों को ही बोर्ड परीक्षा का फाइनल रिजल्ट मान लिया जाए। इसी से समझा जा सकता है कि राजनीतिक रण में मुकाबला कितना कड़ा है। हकीकत में जनता के मन में क्या है, यह ठीक- ठीक कोई नहीं जानता बल्कि चुनावी रणनीतिकारों की कोशिश तो यह है कि जनता भी उसी वेव लेंथ पर सोचे, जो नेता सरेआम कह रहे हैं। इन तमाम दावों प्रतिदावों के बरक्स एग्जिट पोल सर्वे अभी आने बाकी हैं। वो क्या बताते हैं, यह और भी दिलचस्प होगा। बहरहाल जनमत की व्याख्याएं मतदान के हर चरण के बाद अलग-अलग तरीके से की जा रही हैं। विपक्षी इंडिया गठबंधन का मानना है कि पांचवे चरण तक आते-आते भाजपा के लिए एक आसान सी लगती प्रेमकथा अब ट्रैजिक स्टोरी में बदलने जा रही है। भाजपा का मानना है कि 'हाथी चले बाजार, कुत्ते भौंके हजार' की तर्ज पर वो और उसका संगठन अपना काम कर रहा है। चुनाव मुद्दों की सर्जिकल स्ट्राइक की बजाए वोटों के 'मैनेज मेंट' से जीता जाता है। नतीजे विपक्षी दावों का मुंह सिल देंगे। उधर विपक्ष बार- बार यह कह रहा है कि इस बार नतीजे चौंकाने वाले होंगे। वैसे भी अमूमन हर चुनाव के नतीजे चौंकाने वाले ही होते हैं, हारने वाले के लिए तो होते ही हैं, कई बार जीतने वाले के लिए भी होते हैं। इसमें भी विपक्ष का ट्रिकी फंडा यह है कि अगर इंडिया गठबंधन एनडीए से ज्यादा सीटें जीत सका तो नैरेटिव बनेगा कि जनादेश मोदी और भाजपा के खिलाफ आया है, इसलिए सभी भाजपा विरोधी पार्टियां मिलकर सरकार बनाएंगी।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5249

	4					5	6	
	3	9			8		7	
7			2	5				
3	1				6	7		
		5		7		1		
		6	4				8	9
				9	7			2
	2		8			6	5	
	8	1					9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5248

3	9	2	8	5	1	6	7	4
6	8	7	4	2	3	1	9	5
4	5	1	9	7	6	2	8	3
5	6	9	2	3	4	8	1	7
2	3	8	7	1	5	4	6	9
1	7	4	6	9	8	5	3	2
9	1	6	3	4	2	7	5	8
8	2	3	5	6	7	9	4	1
7	4	5	1	8	9	3	2	6

वर्ग पहेली 5249

संकेतः बाएं से दाएं
1. कम्प्यूटर की विशिष्ट भाषा के लिखे गए निर्देश का वह समूह जो कम्प्यूटर में इनपुट किए गए डेटा को प्रोसेस करता है (3)
4. उत्तराखंड की सबसे ऊंची चोटी है (4)
7. तंदुरुस्त, स्वस्थ, आरोग्य (5)
8. देवता से मांगा हुआ मनोरथ (2)
9. सम्मत, पक्ष (3)
10. भाग, हिस्सा, [illegible] (2)
11. सम्राट अकबर के नवरत्नों में से एक जिनका पैतृक नाम महेशदास था (4)
14. डिवाइन कॉमेडी नाम प्रसिद्ध कृति के लेखक (2)
16. यह भगवान शिव का एक नाम है (4)
18. शिष्टता, नम्रता, सुशीलता (4)
20. कोमलकांत, सुंदर स्त्री (2)
22. जांघ, जंघा (2)
24. समय का अत्यंत छोटा भाग, लम्हा (2)
25. मान-मर्यादा, गौरव, प्रतिष्ठा (2)
26. कामदेव, मनोज, मदन (4)

ऊपर से नीचे
1. क्रिया और परिवर्तन का संबद्ध कार्य (3)
2. वस्तु आदि खरीदने वाला, खरीदार (3)
3. स्वर्ग, [illegible] (4)
4. गोकुल में गोपों के मुखिया (2)
5. जो रिश्ते में पति का छोटा भाई हो (3)
6. पराक्रमी बहादुर, हिंदी साहित्य में एक रस जिसका स्थायी भाव उत्साह है (2)
10. लकड़ी या पीतल का टुकड़े-टुकड़े करना (3)
12. घोड़े की काठी पर झूलता पायदान (3)
13. [illegible], शक्ति, ताकत (2)
14. [illegible], दंत (2)
15. यह ईरान की राजधानी है (4)
17. [illegible] (4)
19. घोड़े आदि की पीठ पर रखने की गद्दी (3)
21. अभिनय गति, शास्त्रीय संगीत में संबंधित एक शब्द (2)
23. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5248 का हल

पे	रि	स	■	इ	दी	र	■
ज	वा	न	■	ट	र	का	ना
■	ज	म	हू	र	■	ह	य
रा	■	■	र	थ	■	■	क
ज	वा	ब	■	त	ज	प्र	र
कु	दा	ल	■	■	पा	र	स
मा	■	था	ता	या	न	■	■
री	झा	■	जी	■	■	जी	■

आज का राशिफल

मेष : [illegible] शुभांक-2-5-7

वृषभ : [illegible] शुभांक-5-6-7

मिथुन : [illegible] शुभांक-3-6-9

कर्क : [illegible] शुभांक-1-6-7

सिंह : [illegible] शुभांक-2-5-6

कन्या : [illegible] शुभांक-3-5-7

तुला : [illegible] शुभांक-2-3-7

वृश्चिक : [illegible] शुभांक-2-6-8

धनु : [illegible] शुभांक-4-6-9

मकर : [illegible] शुभांक-3-6-8

कुंभ : [illegible] शुभांक-6-8-9

मीन : [illegible] शुभांक-3-6-8

जो कुछ भी दृष्टिगोचर हो रहा वह सब ब्रह्म का ही स्वरूप-स्वामी महेश

ब्रह्मलीन स्वामी श्री चैतन्यदेव का मनाया 62वां पुण्यतिथि महोत्सव

मंदसौर, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। विश्व वन्द्य भगवान श्री पशुपतिनाथ के प्रतिष्ठाता स्वामी प्रत्यक्षानंदजी के पूज्य गुरूदेव ब्रह्मलीन स्वामी श्री चैतन्यदेवजी महाराज का 62वां पुण्यतिथि महोत्सव श्री चैतन्य आश्रम मेनपुरिया में आश्रम के पूज्य युवाचार्य संत स्वामीश्री मणी महेश चैतन्यजी महाराज, स्वामी शिवचैतन्य जी महाराज व राष्ट्रीय भागवत प्रवक्ता मानस मर्मज्ञ पं. दशरथभाईजी के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। प्रारंभ में हवन हुआ। हवन के पश्चात् स्वामी श्री चैतन्यजी के श्रीविग्रह (प्रतीमा) का पूजन अभिषेक आरती की गई। पूजन विधि पं. प्रद्युम्न शर्मा, सोम पाठक, पुजारी दिनेश व्यास धारियाखेड़ी ने सम्पन्न कराई।

मंचासीन संतों का पुष्पहारों से सम्मान श्री चैतन्य आश्रम लोक न्यास अध्यक्ष प्रहलाद काबरा, उपाध्यक्ष डॉ. घनश्याम बटवाल, दयाराम दग्धी, ट्रस्टीगण ब्रजेश जोशी, ओमनारायण शर्मा, बंसीलाल टॉक, ओंकारलाल माली, अजय सिखवाल, महेश गर्ग, डॉ. रविन्द्र पाण्डेय, राजारामजी सुंदरकाण्ड मण्डली भालोट आदि ने कर आशीर्वाद लिया।

स्वागत उद्बोधन डॉ. घनश्याम बटवाल ने दिया। श्री ब्रजेश जोशी ने स्वामी चेतन्य देव के जीवन दर्शन के साथ ही चैतन्य आश्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इस क्षेत्र में संतों की सुविधाजनक आश्रम स्थली बताते हुए कहा कि जहां एक ओर भगवान पशुपतिनाथ लोक निर्माण जारी है, दर्शनार्थियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है उसी क्रम में अब वह दिन दूर नहीं जब चैतन्य आश्रम में भी दर्शनार्थियों की भीड़ उमड़ने लगेगी। 11-11 संतों से सेवित इस तपोभूमि का विकास में हमारा भी सहयोग अपेक्षनीय है। पं. दशरथभाईजी ने कहा कि स्वामी चैतन्यदेव ने जो चैतन्य आश्रम रूपी पेड़ लगाया आज इस पेड़ के सत्संग रूपी अमृतफल का लाभ हम सब ले रहे है। आपने कहा कि चरण उसी के वंदनीय होते है जिनका आचरण पवित्र और शुद्ध होता है। जिन चैतन्य देव की तपस्थली-पावन साधना भूमि से भगवान पशुपतिनाथ की प्रतिष्ठा स्थापना हुई वे भगवान पशुपतिनाथ अपने 24 नेत्रों से भक्तों को देखते है जबकि अन्यत्र केवल 3 नेत्रों से भक्तों का कल्याण करते है। जिन महापुरूषों का जिस दिन पुण्यतिथि महोत्सव हम मनाते है यदि प्रतिदिन दिन में एक बार भी उनका स्मरण कर लिया जाये तो वह दिवस हमारे लिये सुकून भरा पवित्र दिवस बन जायेगा। स्वामी चैतन्यदेवजी का शरीर हमारे बीच चाहे नहीं हो परन्तु उनकी सूक्ष्म आत्म ज्योति आश्रम के कण-कण में समाहित है और जो श्रद्धा विश्वास पूर्वक आश्रम में दर्शनार्थ आते है उन्हें इसकी अनुभूति अवश्य होती है और परम सुख शान्ति का अहसास होता है। स्वामी मणी महेशचैतन्यजी महाराज ने कहा कि संतों के देहावसान होने पर मृत्यु होना अथवा स्वर्गवास होना आदि नहीं कहा जाता बल्कि ब्रह्मलीन होना कहा जाता अर्थात संसार में हमें जो कुछ भी दृष्टिगोचर हो रहा है वह ब्रह्म ईश्वर का ही स्वरूप है और महापुरूष भी शरीर लागने के बाद स्वयं ब्रह्म रूप हो जाते है। इसलिये जीते जी और ब्रह्मलीन होने के पश्चात हम जो गुरू प्रतिमा का पूजन अभिषेक करते है वह भौतिक शरीर प्रतीमा का नहीं ब्रह्म की ही पूजा करते है। जो गुरू को केवल भौतिक शरीर मानकर पूजन करते है उन्हें सच्चा आनन्द अपने आत्म स्वरूप ज्ञान का लाभ नहीं मिल पाता। गोस्वामी तुलसीदासजी ने गुरू ने शरीर के किसी अंग की नहीं यहां तक की चरणों की भी नहीं चरणरज की महिमा का वर्णन किया है। जो गुरू चरण रेणु सिर धरही। ते जनु सकल विभव (वैभव) वश करही स्वामीजी ने वर्तमान प्रदूषित पर्यावरण को दूर करने के लिये वृक्षारोपण को अनिवार्य बताते हुए कहा कि एक वृक्ष लगाना 100 यज्ञ करने के समान है। संचालन योग गुरू बंशीलाल टांक ने किया व आभार एडवोकेट अजय सिखवाल ने माना। अंत में प्रसादी भण्डारा हुआ जिसका बड़ी संख्या में भक्तों ने लाभ लिया।

दुर्घटना में मौत, कार ड्राइवर पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। दुर्घटना में हुई मौत के मामले में पुलिस ने विवेचना के बाद कार ड्राइवर पर केस दर्ज किया। 18 मई 2024 को माल्या से जग्गाखेड़ी के बीच कार (आरजे 32 सीए 4787) के ड्राइवर ने तेज व लापरवाहीपूर्वक कार चलाकर खजूरीमांडा निवासी लक्ष्मणसिंह पिता उदयसिंह को टक्कर मार दी थी, जिसकी मंदसौर में उपचार के दौरान मौत हो गई। मर्ग जांच पर पुलिस ने कार ड्राइवर पर धारा 304 ए में केस दर्ज किया।

लोहे के 27 पाइप चोरी

पिपलियामंडी, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। गांव खेड़ाखदान में खेत पर लगे लोहे के 27 पाइप अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गए। खेड़ाखदान निवासी भंवरदास बैरागी ने पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि अफीम फसल बोने की 10 आरी जगह पर मैंने पाइप लगाकर जालियां लगा रखी थी, बदमाश जालियां को हटाकर 27 पाइप चोरी कर ले गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपी पर केस दर्ज किया।

पशुपालन विभाग जिले की सभी गौशालाओं में समितियों से समन्वय कर समस्त आवश्यक व्यवस्थाऐं सुनिश्चित करे-कलेक्टर

मंदसौर, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने उप संचालक पशुपालन विभाग को निर्देश दिए हैं कि, मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार जिलों में लू-तापघात का प्रकोप आगामी दिनों में भी बने रहने की संभावनाऐं व्यक्त की गई है।

जिले में स्थापित समस्त गौशालाओं में अत्यधिक गर्मी की स्थिति में समितियों से समन्वय स्थापित करते हुए समस्त आवश्यक व्यवस्थाऐं सुनिश्चित की जावे। गौशालाओं में सीधी धुप से बचाव के साथ साथ हवा के आवागमन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जावे। गौवंश एवं अन्य पशुओं के लिए पीने के पानी की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए। समस्त पशु चिकित्सालयों में (शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों) में पर्याप्त मात्रा में आवश्यक दवाईयों का स्टॉक रखा जाए।

गौशालाओं में पर्याप्त मात्रा में भुसे का भण्डारण हो-समय समय पर पशुपालन विभाग द्वारा द्वारा गौशालाओं का निरीक्षण किया जाए। जिला कार्यालय / ब्लाक कार्यालय पर एक कंट्रोल रूम की स्थापना करते हुए कंट्रोल के दूरभाष नंबरों का प्रचार प्रसार भी जनसंपर्क एवं अन्य सोश्यल मिडिया के माध्यम से कराऐं ताकि आवश्यकता होने पर पशुपालक इन नंबरों पर संपर्क कर सकें।

पतंजलि योगपीठ के पदाधिकारियों की कार्यशाला गांधीसागर में सम्पन्न

मंदसौर, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। जिले के गांधी सागर नं. 3 के मनोरंजन केंद्र परिसर में पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के मुख्य केंद्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थ देव की योग व कार्यशाला हुई। जिसमें मंदसौर और नीमच जिले के पदाधिकारी योग शिक्षक कार्यकर्ता हुए सम्मिलित हुए। इस दौरान योग आयुर्वेद स्वदेशी व सनातन संस्कृति व संगठन विस्तार को लेकर जिला स्तरीय कार्यकर्ता बैठक भी संपन्न हुई जिसमें नीमच और मंदसौर जिले के पदाधिकारी मौजूद रहे।

पतंजलि के मुख्य केंद्रीय प्रभारी और स्वामी रामदेव के शिष्य स्वामी परमार्थ देव ने प्राणायाम व ध्यान भी करवाया ओर कहा कि अपने बच्चों को भी और स्वयं स्वाध्याय करना यह ऋषियों का देश है त्याग व तपस्वियों का देश है भारतवर्ष दुनिया का सबसे युवा देश है और आज फिर से जागने की जरूरत है बड़े बुजुर्गों को और नौजवानों को भी युवाओं को यूवतियों को अपनी संतानों को उसे त्याग तप का उसे ब्रह्मचर्य का उसे वेद के ज्ञान व विज्ञान का योग के द्वारा अपने जीवन व जगत के कल्याण का जो अनुष्ठान है उसमें सबको एक साथ मिलकर भारत को विश्व गुरु बनाने का महान कार्य करना है जो योग गुफाओं में किया जाता था और जो योग विद्या केवल पुस्तकों में थी आज योग ऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज ने उस विद्या को उस ज्ञान को जन-जन तक पहुंचा दिया है देश और दुनिया को जगा दिया है। पिछले 11 वर्षों से गांधीसागर में योग शिक्षक व पतंजलि संस्था के जिला कार्यकारिणी सदस्य मनीष परिहार द्वारा नियमित प्रात: योग सिखाया जाता है। संस्था द्वारा यहां दोनों जिलों की बैठक रखने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर केंद्रीय प्रभारी के साथ भारत स्वाभिमान के राज्य प्रभारी राजेंद्र आर्य, पतंजलि योग समिति के प्रदेश प्रभारी कृष्ण योगेंदर रघुवंशी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य महेश कुमावत, पतंजलि युवा भारत के जिला प्रभारी विनोद सेन, पूर्व विधायक देवीलाल धाकड़, अजय तिवारी, श्याम धाकड़, अशोक खंडेलवाल, योग आयोग जिला अध्यक्ष कालूसिंह सिसोदिया, नीमच जिला प्रभारी बालकृष्ण सोलंकी, नीमच युवा प्रभारी आनंद शर्मा, नीमच किसान प्रभारी विष्णु दत्त, मंदसौर जिला सोशल मीडिया प्रभारी गजेंद्र शर्मा, मंदसौर तहसील प्रभारी नीरज नीमे, भानपुरा तह प्रभारी शिव शंकर शर्मा, श्यामलाल धाकड़, गरोठ से चेतन आर्य, सजल मिश्रा, शामगढ़ प्रभारी दीपक काला, राजेंद्र सिंह सिसोदिया के साथ ही अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विश्व के एक मात्र नायक है जिनको दो बार आजीवन कारावास हुआ-परिहार

भारत विकास परिषद ने वीर सावरकर की 141 वीं जयंती मनाई

नीमच, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। स्वतंत्र वीर विनायक दामोदर सावरकर की जन्म जयंती मंगलवार दिनांक 28 मई को भारत विकास परिषद द्वारा हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाई गई परिषद के सदस्यों ने सावरकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके बलिदान को याद किया इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक श्री दिलीप सिंह जी परिहार ने संबोधित करते हुआ कहा की परतंत्रता से मुक्ति के लिये सम्पूर्ण विश्व मे जितने भी आंदोलन हुए है उन सभी आंदोलनों के सभी नायकों की वीरता, संघर्ष, शौर्यता की बात करे तो उन सब नायकों में से में प्रथम पंक्ति के प्रथम नायक भारत माता के वीर बेटे सावकार होंगे, वे विश्व के एक मात्र नायक है जिन को दो बार आजीवन कारावास हुआ।

जिन का सम्पूर्ण परिवार आंदोलन में शामिल रहा, जिन को नही केवल परतंत्रता में परतंत्री अंग्रेजों ने आजीवन कारावास दिया बल्कि अंग्रेजो की जी हजूरी करने वालो ने सत्ता पा कर, परतंत्री अंग्रेजो को तो सम्मान के साथ ब्रिटेन भेजा और आपसी समझौते के तहत माँ भारती के वीर सपूत स्वाधीनता संग्राम के सब से बडे नायक वीर सावरकर को जेल में रखा। भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य महेंद्र जी भटनागर ने कहा कि भारतीय स्वंत्रता आंदोलन के अग्रणी नेता विनायक दामोदर सावरकर जब 9 वर्ष के थे तो उनके पिता की मृत्यु हो गई। मैट्रिक के बाद कविताएं लिखने लगे। इनके क्रांतिकारी लेख पत्रिकाओं में छपने लगे। लंदन से वकालत करने के बाद फ्री इंडिया सोसायटी का निर्माण किया। कलेक्टर जैकसन की हत्या के लिए 7 अप्रैल 1911 को काला पानी की सजा पर जेल गए। 26 फरवरी 1966 को देश सेवा करते हुए अंतिम सांस ली। इस दौरान परिषद के रीजनल सेक्रेटरी श्री सुनील सिंहल, प्रांतीय महिला प्रमुख श्रीमती सुनीता सिहल, प्रांतीय सेवा प्रमुख संदीप खाबिया, जिला समन्वयक अशोक मंगल, प्रांतीय समन्वयक सुमित जी जागेटिया भीलवाड़ा एवं श्री पंकज जी अग्रवाल सहित परिषद के सभी सदस्य उपस्थित थे। आयोजित आयोजन में उपस्थित सभी जन का स्वागत अध्यक्ष सुशील गड्डानी ने किया एवं आभार सचिव विश्वास खंडेलवाल ने प्रकट किया।

स्नातकोत्तर स्तर पर 3 नए पाठ्यक्रम प्रारम्भ

मंदसौर, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मन्दसौर के प्राचार्य डॉ. एल.एन. शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश में 53 अग्रणी महाविद्यालयों को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के रूप में उन्नयन किया गया है, जिसमें मन्दसौर पी.जी. कॉलेज को भी सम्मलित किया गया है। प्राचार्य डॉ. एल.एन. शर्मा ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया है कि सत्र 2024-25 में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के अन्तर्गत महाविद्यालय में स्नातकोत्तर स्तर पर 03 नये पाठ्यक्रम - एम.एस-सी. बायोटेक्नोलॉजी, एम.एस-सी. भूगर्भशास्त्र एवं एम.ए. समाजशास्त्र प्रारम्भ किये गये हैं। महाविद्यालय में सत्र 2024-25 में स्नातकोत्तर स्तर पर उक्त 03 पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है। स्नातकोत्तर स्तर पर प्रवेश का द्वितीय चरण दिनांक 28.05.2024 से प्रारम्भ हो गया है। अत: इच्छुक विद्यार्थी इन नये पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन सम्पन्न

मंदसौर, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। शासकीय महाविद्यालय मंदसौर में आयुक्त उच्च शिक्षा, म प्र शासन के निर्देशानुसार करियर परामर्श एवं प्रेरकीकरण का महत्व विषय पर एक राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। प्रारंभ में स्वागत उद्बोधन संस्था के प्राचार्य डॉ एल एन शर्मा ने दिया। विषय प्रवर्तन जिला नोडल अधिकारी करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ डॉ वीणा सिंह द्वारा किया गया। प्रथम वक्ता डॉ प्रवीण ओझा बी.एल.पी.सरकारी पीजी कॉलेज महू इंदौर में वाणिज्य संकाय के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष रहे हैं। आप वर्तमान में वाणिज्य अध्ययन मंडल के अध्यक्ष (डीएवीवी इंदौर)है। आपका शिक्षक अनुभव 29 वर्षों का है और अपने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 79 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। अपने 181 सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भाग लिया है और 39 वेबीनार में उपस्थित हुए हैं।

वैचारिक मतभेद की सजा पाते सावरकर...

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

मंदसौर, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। भारतीय स्वाधीनता संग्राम का इतिहास अत्यंत प्रेरणादायी एवम रोमांचकारी हे जिस ब्रिटिश साम्राज्य में कभी सूरज नही डूबता था उस साम्राज्यवाद को उनकी ही भूमि पर जाकर चुनौती देने का महान कार्य हिंदुस्तान के सपूतो ने कर के दिखाया। स्वाधीनता की चिंगारी को धधकती आग में परिवर्तित करने वाले मां भारती के ऐसे ही सपूत थे वीर विनायक दामोदर सांवरकर। बड़ी मुश्किल से और लाखो के रक्त की आहुति देकर स्वतंत्रता पाने वाले इस देश समाज को सावरकर जैसे राष्ट्रभक्त वीरो की बात समय समय पर जरूर करनी चाहिए ताकि लोगो को वे बलिदान याद रहे और उन गलतियों को दोहराने से बचे जिनके कारण मुठ्ठी भर गोरो ने हमे गुलाम बना लिया। उनका पूरा जीवन राष्ट्रवाद से आत्मसात हे। वीर सांवरकर ने स्वातंत्र्य सूर्य को उदित होते देखा और स्वतंत्रता के पश्चात भी समाज और देश के लिए मार्गदर्शन करते रहे। उनके व्यक्तित्व को शब्दो मे बांधना अत्यंत कठिन हे। उनका जीवन तो अथाह सागर हे बस उसकी थाह को ढूंढते जाओ। वीर सांवरकर को दो आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई इस पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा था की मुझे प्रसन्नता हे की ब्रिटिश सरकार ने मुझे दो जीवन का कारावास दंड देकर पुनर्जन्म के सिद्धांत को मान लिया हे। ध्यान से देखे तो कितने ही महान क्रांतिकारी हुए पर इतनी अमानवीय सजा अंग्रेजो ने किसे भी नही दी। यह सजा ही सांवरकर की देशभक्ति का प्रबल प्रमाण हे। सांवरकर की काले पानी की सजा की खबर जब समाचार पत्रो में प्रकाशित हुई तो सम्पूर्ण देश में क्षोभ छा गया। ब्रिटिश सरकार के पास हजारो पत्र भेजकर उनकी मुक्ति की मांग की गई स्वयं गांधी जी ने भी इसके लिए प्रयास किया किंतु अंग्रेज सरकार ने अपना निर्णय नही बदला। अंडमान जेल सेलुलर जेल के नाम से प्रसिद्ध थी जिसका जेलर डेविड बारी था डेविड ने सांवरकर की और देखकर कहा सांवरकर तुमको 50 वर्ष यही रहना हे और पुन: यही दोहराया। तब वीर सांवरकर ने निर्भय होकर बारी को देखते हुवे कहा क्या 50 वर्ष तक अंग्रेज भारत में रह पाएंगे ? अंडमान जेल में उन्हे अनेक यातनाएं दी गई जिसका मेरा आजीवन कारावास पुस्तक में उन्होंने उल्लेख भी किया हे। मनुष्य द्वारा मनुष्य को अमानवीय यातनाएं दी जा सकती हे इसकी जीती जागती मिसाल अंडमान की जेल थी। सांवरकर ने घोर यातनाओं के बीच भी जेल की दीवारों पर कविताएं लिखकर ऐतिहासिक साहित्य का सृजन किया। समाज सुधार के क्षेत्र में उनका योगदान आज भी प्रासंगिक हे। अपने बचपन से ही सांवरकर ने समाज को त्रस्त करने वाली जाति व्यवस्था को निंदनीय पाया। सांवरकर या उनके जेसे दूसरे स्वतंत्रता सेनानियों ने कल्पना भी नही की होगी की उनके देश के लोग ही कभी उनके शोर्य, वीरता और इरादे पर प्रश्न उठाएंगे। वीर सांवरकर के साथ त्रासदी यही हे की वैचारिक मतभेदो के कारण एक महान स्वतंत्रता सेनानी, योद्धा, समाज सुधारक, लेखक और कवि को अंग्रेजों का गुप्तचर साबित करने की हृदय विदारक कोशिश होती रही हे जबकि सांवरकर अदभुत और अद्वितीय महापुरुष थे उनका राष्ट्र समर्पित जीवन हमारी आने वाली पीढ़ियों को सदेव देश सेवा के लिए आंदोलित करता रहेगा और देश सेवा के लिए हर परिस्थिति में कार्य करने की प्रेरणा देता रहेगा।

गौरव सोनी, मंदसौर

पर्यावरण दिवस से जल स्त्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए अभियान चलाया जाएगा-जैन

नदी, कुएं, तालाब,बावड़िया आदि की सफाई के लिए जनभागीदारी से गतिविधियां आयोजित की जाए, जिला अधिकारियों को बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

नीमच, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। जिले में 5 जून पर्यावरण दिवस से गंगा दशमी पर्व तक जलस्त्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए संपूर्ण प्रदेश में अभियान चलाया जाएगा। अभियान की अवधि में जिले में जल के स्त्रोतों, जैसे नदी, कुएं, तालाब, बावड़ियों आदि को स्वच्छ रखने और आवश्यकता होने पर उनके गहरीकरण के लिए गतिविधियां संचालित की जाएंगी। यह कार्य जनसहभागिता से होगा। इससे जल स्त्रोतों के प्रति सामाजिक चेतना जागृत करने और जनसामान्य का जल स्त्रोतों से जीवंत संबंध विकसित करने में मदद मिलेगी। गंगा दशमी पर्व माँ गंगा का अवतरण दिवस है और माँ गंगा से ही भारतीय संस्कृति विश्व में जानी जाती है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में इस अभियान का नेतृत्व जनप्रतिनिधि करेंगे।

'जल ही जीवन है' केवल स्लोगन नहीं, हम जलस्त्रोतों से ही जीवन पाते हैं:- कलेक्टर श्री जैन ने सभी सामाजिक, शासकीय, अशासकीय संस्थाओं, जनअभियान परिषद से जुड़े संगठनों से अभियान में शामिल होने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि जनसहभगिता से जल संरचनाओं का चयन किया जाए और जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए सघन जनजागृति के कार्यक्रम चलाये जाएं। इससे भविष्य के लिए जल संरक्षण के संबंध में कार्य योजना बनाने में मदद मिलेगी। पेयजल की आपूर्ति में नदियां, बावड़ियां, कुएँ व तालाब महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, 'जल ही जीवन है' केवल स्लोगन नहीं है, यह जल स्त्रोतों की हमारे जीवन में भूमिका से स्पष्ट होता है। हमारी यह पीढ़ी इन जल संरचनाओं की महत्ता से परिचित हो, हमारा संबंध जल संरचनाओं से अधिक प्रगाढ़ हो, यही इस अभियान का उद्देश्य है।

जल संरचनाओं को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा:- कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि अभियान के दौरान नदियों और तालाबों से गाद या खाद के रूप में निकलने वाली मिट्टी, किसानों को खेतों में उपयोग के लिए उपलब्ध कराई जाएगी। जल संरचनाओं पर किये गये अतिक्रमणों को हटाया जाएगा। अभियान के संबंध में अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं, कि प्रारंभिक रूप से यह अभियान 5 से 15 जून तक चलाया जाएगा। इसके बाद अभियान की अवधि बढ़ाई जा सकती है।

अभियान के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा नगरीय विकास एवं आवास होंगे नोडल विभाग-नमामि गंगे परियोजना के नाम से आरंभ हो रहे जलस्त्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के विशेष अभियान के लिए ग्रामीण क्षेत्र में पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा नगरीय क्षेत्र में नगरीय विकास एवं आवास, नोडल विभाग होंगे। जल संरचनाओं के चयन और उन्नयन कार्य में जीआईएस तकनीक का उपयोग किया जाएगा। इन स्थलों की मोबाइल एप के माध्यम से जियो -टैगिंग की जाएगी। सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से जल संरचनाओं के आसपास स्वच्छता बनाए रखने, जल संरचनाओं के किनारों पर अतिक्रमण रोकने के लिए फेंसिंग के रूप में वृक्षारोपण करने जैसी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाएगा और जल संरचनाओं के किनारों पर बफर जोन तैयार कर उन्हें हरित क्षेत्र या पार्क के रूप में विकसित किया जाएगा। जल संरचनाओं में मिलने वाले गंदे पानी के नाले-नालियों को स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत डायवर्जन उपरांत शोधित कर जल संरचनाओं में छोड़ा जाएगा।

रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के लिए चलेगा जागरूकता अभियान:- कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि राज्य शासन द्वारा अमृत 2.0 योजना के तहत जल संरचनाओं के उन्नयन का कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत नदी, झील, तालाब, कुओं, बावड़ी आदि के पुनर्जीवीकरण/संरक्षण व संरचनाओं के उन्नयन का कार्य स्थानीय सामाजिक, प्रशासकीय संस्थाओं के साथ मिलकर जनभागीदारी से कराए जाएंगे। प्रयास होगा कि जल संरचनाओं का उपयोग जल प्रदाय अथवा पर्यटन, भू-जल संरक्षण, मत्स्य पालन अथवा सिंघाड़े के उत्पादन के लिए भी किया जा सके। रिहायशी इलाकों में बंद पड़े रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की साफ-सफाई कर उनके पुन: उपयोग के लिए जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। निकायों को नाले-नालियों की साफ-सफाई, वाटर ड्रेनिंग मैनेजमेंट, घाट निर्माण, वृक्षारोपण जैसी गतिविधियों के संबंध में भी विस्तृत निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर श्री जैन ने जिला अधिकारियों को बैठक में उक्त अभियान की कार्य योजना बनाकर उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश सभी जनपद सीईओ और सीएमओ को दिए है। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, एडीएम श्रीमती लक्ष्मीए गामड, सभी एसडीएम, जनपद सीईओ, सीएमओ और जिला अधिकारी उपस्थित थे।

नपाध्यक्ष ने विद्युत समस्याओं के समाधान हेतु चर्चा की

मंदसौर, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने मंगलवार को अपने कक्ष में अभिनंदन क्षेत्र की कम वोल्टेज एवं विद्युत अधोसरचना की मरम्मत एवं रखरखाव हेतु मध्य प्रदेश विद्युत मंडल वितरण चन्द्रपुरा के सहायक यंत्री अनिल पाटीदार से चर्चा की चर्चा के दौरान क्षेत्रीय पार्षद आशीष गोड सुनीता नंदलाल गुजरिया नगर पालिका कार्यपालन यंत्री श्री पी एस धारवे उपयंत्री रोहित केथवास एस पी सिंह विद्युत शाखा लिपिक राजेंद्र नीमा भी उपस्थित थे बैठक में नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने कहा कि अभिनंदन क्षेत्र के नागरिकों को कम वोल्टेज विद्युत सरचना की मरम्मत नहीं होने के कारण परेशानी हो रही है उसका समाधान किया जाए विद्युत मंडल के सहायक यंत्री अनिल पाटीदार ने बताया कि जून माह के अंत तक संजीत रोड पर शिशु मंदिर के पास बन रहे नवीन विद्युत उपकेंद्र का कार्य पूर्ण होने की उम्मीद है यह कार्य होते ही कम वोल्टेज की समस्या का स्थाई समाधान हो जाएगा अधोसरचना के कार्य में जो कमियां है उसे भी शीघ्र ही ठीक किया जायेगा

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	58	2310	2421
उड्द	5	4251	6001
सोयाबीन	4500	4320	4810
गैहु	7500	2400	3120
चना	550	6154	6850
मसुर	220	6001	6511
धनिया	173	5301	7400
लहसुन	14400	5000	21500
मैथी	1200	5440	6301
अलसी	1350	6150	6540
सरसो	778	5220	5600
तारामीरा	3	4880	4900
इसबगोल	192	10200	14700
प्याज	1300	350	1500
कलोंजी	52	14500	21200
डॉलर	30	8500	10251
तिल्ली	25	10901	12953
मटरसुखी	6	4500	5250
असालीया	90	9300	10300

देश की सुरक्षा में सरहद पर तैनात फौजी भाई अपनी मृतक बहन को न्याय दिलाने...

भटक रहा दर-दर, ससुराल पक्ष पर कार्रवाई की मांग

मंदसौर, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। देश की सुरक्षा में सरहद पर तैनात एक फौजी भाई दिलीप बंजारा अपनी मृतक बहन को न्याय दिलाने व दोषी ससुराल पक्ष पर कार्यवाही की मांग को लेकर दर दर भटक रहा है,फौजी भाई ने सम्बंधित थाने की पुलिस पर भी दोषियो के खिलाफ कार्यवाही नही करने के आरोप लगाए है,साथ मामले को लेकर मंगल वार को फौजी भाई पीड़ित परिजन व समाज जन एसपी कार्यालय पहुचे जहा उन्होंने एसपी अंकित जायसवाल के नाम एक ज्ञापन भी प्रेषित किया है इसमें बताया गया कि उसकी बहन पूजा का विवाह कप्तान पिता दुर्गा लाल बंजारा निवासी बोरखेड़ा दाँतोली तहसील मनासा के साथ दिनांक 26 अप्रैल वर्ष 2019 को हिंदु रीति रिवाज से हुआ था विवाह के बाद से ही ससुराल पक्ष से उनकी सास कमली बाई उनका भाई राकेश और पति द्वारा पूजा को दहेज के लिए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया, जबकि हमारे द्वारा विवाह के समय सोना चांदी की रकम व समस्त गृहस्ती का सामान भी दिया गया था बावजूद उसके ससुराल पक्ष द्वारा बहन को प्रताड़ित करना नहीं छोड़ा पूर्व में हुए विवाद के बाद दिनांक 20 अगस्त 2022 को ससुराल पक्ष से राजीनामा कर वहां के जनप्रतिनिधि नागजी राम के शपथ पत्र और जमानत पर पूजा को पुन: ससुराल भेजा गया था परंतु ससुराल पक्ष द्वारा कुछ दिन बाद पुन: पूजा के साथ लड़ाई झगड़ा मारपीट और दहेज को लेकर प्रताड़ित करने जैसी घटनाएं की जाने लगी साथ ही एक लाख रुपए की मांग की गई जो हमारे द्वारा ससुराल पक्ष को दिए भी गए परंतु 24 मई 2024 को हमारे माता-पिता को सूचना प्राप्त हुई कि तुम्हारी बेटी और बहन पूजा की हत्या हो गई है तथा वह अस्पताल में लावारिस अवस्था में पड़ी है जिसकी सूचना मिलते ही परिजन तत्काल मानसा अस्पताल पहुंचे, दिए गए ज्ञापन में बताया कि ससुराल पक्ष द्वारा योजना बंद तरीके से पूजा को दहेज के लिए प्रताड़ित कर उसकी हत्या कर दी गई है इस मामले की शिकायत संबंधित थाने पर की गई है परंतु पुलिस द्वारा अब तक कोई उचित कार्रवाई नहीं की गई है ज्ञापन में मांग की गई है कि उक्त मामले में वरिष्ठ अधिकारी से निष्पक्ष जांच करवरकर ससुराल पक्ष के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

सभी पोस्टल बैलेटो की काउंटिंग मंदसौर में होगी-कलेक्टर

मंदसौर, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। लोकसभा निर्वाचन 2024 की मतगणना के संबंध में समन्वय बैठक कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव की अध्यक्षता में सुशासन भवन में आयोजित हुई। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री रविंद्र परमार, सहायक रिटर्निंग अधिकारी विधानसभा क्षेत्र जावरा, मंदसौर, मल्हारगढ़, सुवासरा, गरोठ, मनासा, नीमच, जावद एवं पार्टी की अभ्यर्थी उपस्थित थे।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री परमार द्वारा पीपीटी के माध्यम से मतगणना संबंधित जानकारी देते हुए बताया कि संसदीय क्षेत्र 23 अंतर्गत मंदसौर, नीमच एवं जावरा की मतगणना एक साथ होगी। सभी पोस्टल बैलेटो की काउंटिंग 8 बजे पहले मंदसौर में होगी। नीमच में ईवीएम काउंटिंग भी इसी समय शुरू की जाएगी। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए दो-दो कक्ष बनाए गए है। प्रत्येक कक्ष में 10-10 टैबल रहेगी। पोस्टल बैलेट की गिनती के लिए एक अलग से कक्ष बनाया गया है। मतगणना दिनांक से तीन दिन पूर्व शाम 5 बजे तक प्रारूप 18 में गणना एजेंट की नियुक्ति की दो प्रतियो एवं दो फोटो के साथ अभ्यर्थी/निर्वाचन अभिकर्ता के हस्ताक्षर से दलों द्वारा प्रस्तुत करना होगा। मतगणना स्थल पर समय पर प्रवेश करें एवं प्रवेश के पश्चात आवंटित टेबल क्रमांक के सामने जाकर बैठे। मतगणना भवन में धूम्रपान, तंबाकू युक्त पदार्थ एवं मतगणना हाल में मोबाइल ले जाने की अनुमति नहीं रहेगी।

पहले घर में आग लगाई, फिर डॉयल 100 पर सूचना दी, पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जैल

पिपलियामंडी, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। स्वयं के घर में आग लगाने के बाद पुलिस को सूचना देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, जिसे जैल भेजने के आदेश हुए। जानकारी के अनुसार बीती रात्रि पौने एक बजे करीब गांव बरखेड़ा जयसिंह निवासी नारायणसिंह पिता गोर्धनसिंह ने डॉयल 100 पर सूचना दी कि उसके घर में आग लग गई है, सूचना पर डॉयल 100 टीम व फायर ब्रिगेड कर्मी मौके पहुंचे, आग पर काबू पाया। आगजनी में घर पूरा जल गया। घटना के समय घर पर कोई नही था। सूचना पर परिजन आए तो उन्हें पता चला कि नारायणसिंह ने ही आग लगाई तो उन्होंने उसकी पिटाई भी की। टीआई नीरज सारवान ने बताया कि जांच के दौरान पाया कि आग नारायणसिंह ने ही लगाई थी, जिससे पुलिस व दमकलकर्मियों को अनावश्यक रुप से परेशान होना पड़ा। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर 151 में भी मामला दर्ज कर उसे तहसील न्यायालय में पेश किया, जिसे जैल भेजने के आदेश हुए।

तीन गुमशुदा नाबालिग बरामद

पुलिस ने परिजनों को सौंपा, आरक्षकों को ईनाम

मंदसौर, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। शहर कोतवाली पुलिस ने तीन गुमशुदा नाबालिगों को खोज कर परिजनों के सुपुर्द किया है। इसमें दो नाबालिग शामगढ़ थाना क्षेत्र के टकरावद गांव से गायब हुए थे। सजगतापूर्वक ड्यूटी निभाने पर पुलिस कप्तान श्री अनुराग सुजानिया ने कोतवाली के आरक्षक मनभावन भाटिया व एफआरवी चालक दिनेश मालवीय को 5-5 हजार रुपए का नगद इनाम दिया है।जानकारी के अनुसार सोमवार को टकरावद गांव के दो बच्चे परिजनों की डांट से नाराज होकर घर छोड़कर चले गए। परिजनों ने दोनों बच्चो की गुमशुदगी शामगढ़ थाने में दर्ज करवाई थी। बीती रात में शहर कोतवाली पुलिस ने गश्त के दौरान नेहरू बस स्टैंड से दोनों बच्चो को बरामद कर लिया। बच्चो ने परिजनों से नाराज होकर घर छोड़ने की बात बताई है। वही दूसरे मामले में खानपुरा क्षेत्र से गायब हुए साढ़े तीन साल के बच्चे को पुलिस ने तलाश कर परिजनों के सुपुर्द किया है।

बालिका के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं जुर्माना

मंदसौर, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। विशेष न्यायधीश (पॉक्सो एक्ट) मंदसौर द्वारा विनोद पिता बसंत सिंगाड़, उम्र 24 वर्ष, निवासी- ग्राम उन्नई, तहसील- पेटलावद, जिला- झाबुआ, हाल मुकाम सीतामउ फाटक, जिला- मंदसौर को नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म करने के आरोप का दोषी पाकर 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं कुल 7000 रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किया।

अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी श्री दीपक जमरा द्वारा घटना के संबंध में बताया कि दिनांक 10.02.2023 को फरियादीया पीड़िता की माता ने थाना शहर कोतवाली पर रिपोर्ट लिखाई कि दिनांक 09.02.2023 की सुबह 06:00 बजे जब वह उठी तो उसने देखा कि उसकी लड़की घर पर नहीं दिखी फिर उसने उसके पति को उठाया व घटना के बारे में बताया फिर उसके पति व उसने आस-पास सभी जगह लड़की की तलाश की तो वह नहीं मिली। तब फरियादी ने शंका जाहिर करते हुए बताया कि कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर उसकी लड़की को भगाकर ले गया है। फरियादी की उक्त रिपोर्ट से अपराध क्रमांक 93/2023 भादवि का कायम कर विवेचना में लिया गया, विवेचना में पीड़िता को पेटलावद बस स्टेण्ड से आरोपी के कब्जे से दस्तयाब किया गया।

पीड़िता को थाना वापसी पर पुछताछ व पीड़िता ने थाने पर बताया कि आरोपी उसे बहला-फुसला कर शादी का झासा देकर उन्नई गांव ले गया था और वहां पर उसने उसकी मर्जी के विरूद्व गलत काम किया था। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उक्त घटना के आधार पर पुलिस द्वारा आरोपी पर धारा 363, 366, 354डी, 376(3) भादवि एवं 3/4, 12 पॉक्सों एक्ट का अपराध कायमी कर प्रकरण की संपूर्ण कार्यवाही उपरांत चालान माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया। विचारण के दौरान प्रकरण में न्यायालय के समक्ष विशेष लोक अभियोजक द्वारा रखे गये तथ्यो व तर्को से सहमत होकर साक्ष्य के आधार पर माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को दोषसिद्ध किया। प्रकरण में अभियोजन का सफल संचालन विशेष लोक अभियोजक श्रीमती दीप्ति कनासे द्वारा किया गया।

कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

मंदसौर, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु निर्वाचन अवधि के दौरान प्रचार-प्रसार जोर-जोर से होने, सार्वजनिक सभाओं, ध्वनि विस्तार यंत्रों, आग्नेय शस्त्रों के सार्वजनिक प्रदर्शन तथा उपयोग एवं लोक शांति कायम रखने, आमजन की सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत जिले में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए।

जारी आदेशानुसार मतगणना स्थल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर में बिना सक्षम प्राधिकारी की लिखित अनुमति के प्रवेश वर्जित रहेगा तथा मतगणना स्थल में कोई भी व्यक्ति पान, बीड़ी, गुटका, तंबाकू, सिगरेट एवं ई-सिगरेट का उपयोग नहीं कर सकेगा। मतगणना स्थल पर आयोग द्वारा अनुमति प्राप्त व्यक्ति ही मोबाइल का उपयोग कर सकेगा, शेष सभी के लिए मोबाइल का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। मतगणना स्थल के आसपास आयुध एवं अन्य प्रकार के अस्त्र-शस्त्र, हथियार धारण करना या लेकर चलना प्रतिबंधित रहेगा। मतगणना स्थल पर ज्वलनशील सामग्री लेकर प्रवेश करना प्रतिबंधित रहेगा। मतगणना समाप्ति के उपरांत कोई भी व्यक्ति, समूह, संगठन, संस्था, अभ्यर्थी इत्यादि बिना सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमति के जुलूस आदि का आयोजन किसी भी सार्वजनिक स्थान पर नहीं कर सकेंगे। मतगणना स्थल के आसपास किसी भी प्रकार की नारेबाजी एवं सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने, विभिन्न समूहों के बीच वेमनस्यता उत्पन्न करने वाले नारे लगाने या ऐसी गतिविधियां पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगी। यह आदेश सर्वसाधारण को संबंधित है, इसकी तामिल प्रत्येक व्यक्ति पर सम्यकरूपेण करना और उसकी सुनवाई संभव नहीं है। अत: दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144(2) के अंतर्गत यह आदेश एक पक्षीय रूप से पारित किया जाता है। इस आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 188 के अंतर्गत दंडनीय अपराधी का दोषी होकर उसे विधि के प्रावधानों के तहत अभियोजित किया जाएगा।

अच्छा परिणाम नहीं देने वाले अतिथि शिक्षकों को नहीं रखेगी सरकार

मंदसौर, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा प्रदेश में अतिथि शिक्षकों के आमंत्रण प्रक्रिया को लेकर नई गाइड लाइन जारी की गई है। जिसके मुताबिक अब शून्य से 30 फीसदी से कम परीक्षा परिणाम पर अतिथि शिक्षकों को नए सत्र में पढ़ाने का मौका नहीं दिया जाएगा। राज्य सरकार ने इससे संबंधित आदेश जारी किए हैं।

अतिथि शिक्षकों को इस बार पूर्व के स्कूलों में उनकी (विषय या कक्षा) के परिणामों पर नियुक्ति दी जाएगी। परिणाम 30 फीसदी से कम रहा है तो उन्हें अवसर नहीं मिल सकेगा। दरअसल वर्ष 2019 में जिला शिक्षा अधिकारी सीहोर ने मार्गदर्शन मांगा था कि यदि किसी अतिथि शिक्षक ने 10वीं हाई स्कूल और 12वीं हाई सेकेंडरी स्कूल को पढ़ाया है और इनमें से किसी एक में 30 प्रतिशत से कम परिणाम आए हैं तो अतिथि शिक्षक को आमंत्रित करना है या नहीं?

राज्य शिक्षा केंद्र ने कलेक्टर यादव को दिया प्रशस्ति पत्र

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम में जिले को मिला आठवां स्थान

मंदसौर, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण मंदसौर की टीम के अथक प्रयासों से 17 मार्च 2024 को उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित मूल्यांकन परीक्षा में लक्ष्य के विरूद्ध 100 प्रतिशत असाक्षरों को सम्मिलित कराया गया। जिसके अंतर्गत उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम में जिले को आठवा स्थान मिला। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के संचालक श्री धनराजू एस द्वारा कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव के नाम प्रशस्ति पत्र 22 मई 2024 को राज्य शिक्षा केंद्र की समीक्षा बैठक में जिला सह समन्वयक साक्षरता श्री रामलाल लोदवार को दिया गया।

जिले में 999 अक्षर मित्रों द्वारा 15 वर्ष से अधिक आयु के असाक्षरों को साक्षर करने का कार्य 2023 से निरंतर निशुल्क किया जा रहा है। अक्षर मित्र अपने ग्राम/ वार्ड में अपनी सुविधा अनुसार ग्राम/ वार्ड के असाक्षर साथियों को सामाजिक चेतना केंद्र में अध्ययन कराते है। इसमें लिखना, पढ़ना एवं सामान्य गणित का अध्ययन कराया जाता है। जिले में 31 मार्च 2027 तक 2.50 लाख असाक्षरों को साक्षर करने का लक्ष्य दिया गया। ये लक्ष्य 2011 की जनगणना को आधार मानकर दिया गया। अभी तक जिले में साक्षर करने की तीन परीक्षाएँ सम्पन्न हो गई है। तीनों परिक्षाओं में 64 हजार 200 असाक्षरों को साक्षर किया गया। 17 मार्च 2024 को सम्पन्न हुई परीक्षा में राज्य सरकार द्वारा दिया गया लक्ष्य 34 हजार 513 शत प्रतिशत प्राप्त कर राज्य में मंदसौर जिले ने 8वां स्थान प्राप्त किया।

वृद्ध को पीटा, 2 भाईयों पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। वृद्ध से मारपीट के मामले में पुलिस ने दो भाईयों पर प्रकरण दर्ज किया। हाथीबोलिया निवासी नरसिंह पिता गुलाब डांगी ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मेरे लड़के रामसिंह से उसके साले टिडवास निवासी मंगलसिंह पिता अमरसिंह डांगी व सुनील पिता अमरसिंह डांगी मेरे बाड़े के बाहर बातचीत कर रहे थे, मैंने कहा कि रिपोर्ट करा दी अब क्या बात कर रहे हो तो, मंगलसिंह व सुनील ने गालियां दी व लात-घुसों से मारा, जिससे गाल, नाक व पसली पर चोंटे आई। पुलिस ने दोनों भाईयों पर केस दर्ज किया।

सभी सीईओ, सीएमओ जिन क्षेत्रों में पेयजल की आपूर्ति टैंकरों से की जाना है, वहां टेंकर की दरें निर्धारण करें-कलेक्टर

मंदसौर, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। विभिन्न माध्यमों से पेयजल आपूर्ति बाधित होने, तापमान के उच्चतम स्तर पर पहुँचने आदि सूचनाऐं प्राप्त हो रही हैं। कलेक्टर ने सभी सीईओ, सीएमओ, पीएचई को निर्देश दिए हैं कि, समस्त नगरीय / ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समस्या नही हो, इस हेतु समस्त आवश्यक प्रयास करें। जिन क्षेत्रों में पेयजल की आपूर्ति टैंकरों से की जाना है, वहाँ टैंकर की दरें का निर्धारण भी करें ताकि निजी रूप से टेंकर से पानी लेने वाले आमजन पर अत्यधिक भार न पड़े।

साथ ही सार्वजनिक स्थलों पर समाज के विभिन्न वर्गों के सहयोग से प्याऊ आदि की स्थापना की कराऐं। जिनमें निकाय द्वारा प्रतिदिन स्वच्छ जल की आपूर्ति की जाए। नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल स्त्रोत में मोटर की खराबी अथवा अन्य तकनीकी कारणों से पेयजल की आपूर्ति बाधित न हो इस हेतु सतत निगरानी रखें एवं आवश्यक मरम्मत के कार्य तत्परता से सुनिश्चित कराऐं। यह आवश्यक रूप से सुनिश्चित करें कि किसी भी स्थिति में पेयजल आपूर्ति बाधित न होने पाए। पेयजल की सुचारू आपूर्ति हेतु जिला कार्यालय / ब्लाक कार्यालय पर एक कंट्रोल रूम की स्थापना करते हुए कर्मचारियों की 08-08 घण्टे की ड्युटी भी लगाऐं तथा कंट्रोल के दूरभाष नंबरों का प्रचार प्रसार जनसंपर्क एवं अन्य सोश्यल मिडिया के माध्यम से कराऐं ताकि आवश्यकता होने पर आमजन इन नंबरों पर संपर्क कर सकें। साथ ही अपने अपने मैदानी अमले के अवकाश को प्रतिबंधित करते हुए विशेष परिस्थितियों में अवकाश स्वीकृति की सूचना कलेक्टर कार्यालय को अनिवार्य रूप से दें।

केंद्र की नई सरकार करेगी केन-बेतवा लिंक परियोजना का शिलान्यास, जुलाई में शुरू होगा काम

भोपाल, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की बहुप्रतीक्षित केन-बेतवा लिंक परियोजना का शिलान्यास अब केंद्र की नई सरकार द्वारा किया जाएगा। इसको लेकर तैयारी शुरू हो गई है। जुलाई में परियोजना का शिलान्यास करने की कार्ययोजना बनाई जा रही है। इसके अंतर्गत बनने वाले दोधन बांध के लिए तकनीकी निविदा पूरी हो गई है। दोधन बांध की उंचाई 15 मीटर से अधिक होगी। आचार संहिता खत्म होने के बाद कंपनी का चयन होगा।

केन-बेतवा लिंक परियोजना- केन-बेतवा लिंक परियोजना अथारिटी के भोपाल स्थित कार्यालय ने मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और केंद्र सरकार के अधिकारियों के साथ मिलकर परियोजना की प्रक्रिया पूरी कर ली है। बता दें, केन-बेतवा लिंक परियोजना को लेकर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच वर्ष 2005 में अनुबंध हुआ था। तमाम औपचारिकताएं पूरी करने के बाद दोनों राज्यों के बीच वर्ष 2021 में समझौता हुआ। इस परियोजना में केंद्र सरकार 90 प्रतिशत राशि देगी। दोनों राज्य सरकारों को कुल लागत की पांच-पांच प्रतिशत राशि देनी होगी।

ये जिले होंगे लाभान्वित- मध्य प्रदेश : छतरपुर, टीकमगढ़, पन्ना, दमोह, विदिशा, सागर, शिवपुरी, दतिया और रायसेन। उत्तर प्रदेश : महोबा, बांदा, झांसी और ललितपुर।

परियोजना एक नजर में- लागत : 44 हजार 605 करोड़ रुपये। केंद्र सरकार देगी : 90 प्रतिशत राशि। राज्य सरकारें देंगी : 5-5 प्रतिशत राशि। केन-बेसिन से उप्र में सिंचाई : 2.27 लाख हेक्टेयर।केन-बेसिन से मप्र में सिंचाई : 4.47 लाख हेक्टेयर। बेतवा बेसिन से मप्र में सिंचाई : 2.06 लाख हेक्टेयर। मध्य प्रदेश के हिस्से में जाएगी-बिजली

पाइप चोरी पर आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। खेत पर सिंचाई के लिए लगी मोटर पर लगे पाइप को चोरी करने के मामले में पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज किया। पामाखेडा निवासी गोविन्द पिता बहादूरसिंह बावरी ने शिकायत दर्ज कराई कि रेतम नदी के पास स्थित 3 बीघा खेत में चरी को पानी पिलाने के लिए लगी मोटर पर पाइप लगा हुआ था, जो चोरी हो गया। शंका होने पर गांव के विक्रम बावरी के घर गया तो विक्रम पाइप के टुकड़े करते हुए मिला। शिकायत दके बाद पुलिस ने आरोपी विक्रम के खिलाफ चोरी का केस दर्ज किया।

विश्व माहवारी स्वच्छता अंतर्गत कार्यशाला सम्पन्न

मंदसौर, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री पीसी चौहान द्वारा बताया गया कि विश्व माहवारी स्वच्छता अंतर्गत नगर पालिका सभाकक्ष में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, लाड़ली लक्ष्मी क्लब की किशोरी बालिकाएं एवं स्व सहायता समूह की महिलाए उपस्थित थी। पर्यवेक्षक श्रीमती ज्योति नवहाल द्वारा माहवारी स्वच्छता एवं प्रबंधन पर किशोरियों के स्वास्थ्य और एनीमिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यशाला में डॉ. अनुरेखा जैन द्वारा किशोरी बालिकाओं को सेनेटरी पैड वितरित किया गया। उपस्थित सभी प्रतिभागियों को स्वल्पहार वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती वैशाली माथुर द्वारा किया गया एवं आभार श्री बी आर मुजाल्दे परियोजना अधिकारी मंदसौर शहर द्वारा किया गया।

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

नीमच, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। बालिकाओं की यौवन अवस्था में बालिका की उम्र 11-12 वर्ष की आयु में शारीरिक बदलाव आते है। जिसमें माहवारी का आना एक प्रमुख लक्षण है। माहवारी आने पर बालिकाओं को घबराना नहीं चाहिए। बालिकाओं को माहवारी के समय अपनी माता, बडी बहन, आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं आशा कार्यकर्ता से माहवारी के संबंध में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करनी चाहिए तथा बालिका के अभिभावकों, आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं आशा कार्यकर्ता को लालिमा दिवस पर या गृह भेंट के समय किशोरियों को माहवारी के संबंध में जागरूक किया जाना अत्यंत आवश्यक है। यह बात श्री संदीप दिखित, जिला समन्वयक ममता द्वारा ग्राम धामनिया नीमच में विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित बालिकाओं को सम्बोधित करते हुए कही।

मतगणना की व्यवस्थाओं का समुचित प्रबंधन कर लें-मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजन

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने वीसी से मतगणना तैयारियों की समीक्षा की

मंदसौर, 28 मई गुरु एक्सप्रेस। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने मंगलवार 28 मई को लोकसभा निर्वाचन-2024 की मतगणना की तैयारियों के संबंध में वीडियो कांफ्रेंसिंग से समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, 29 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों से मतगणना तैयारियों केसम्बंरध में विस्तायर से चर्चा कर निर्देश दिए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने कहा, कि मतगणना से जुड़ी सभी तैयारियां व जरूरी व्यवस्थाओं का समुचित प्रबंधन कर लें। मतगणना स्थल की सुरक्षा, मतगणना परिसर में प्रवेश, गर्मी को देखते हुए एम्बुलेंस, दवाईयां, फायर ब्रिगेड, मतगणना सूचनाओं का चक्रवार आदान-प्रदान, स्ट्रांग रूम से मतगणना केन्द्र तक ईवीएम को लाने, ले-जाने, पोस्टल बैलेट की गणना आदि सभी व्यवस्थाएँ अपनी निगरानी में कराएं। सभी मतगणना कर्मियों एवं माइक्रो ऑब्जर्वर्स को अच्छी तरह से प्रशिक्षण दें, ताकि मतों की गणना में त्रुटि की कोई गुंजाईश न रहे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने प्रदेश के सभी जिलों में 4 जून को होने वाली मतगणना को लेकर की जा रही तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। इस मौके पर एनआईसी कक्ष नीमच में कलेक्टगर श्री दिनेश जैन, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजीव साहू भी उपस्थित थे।

प्रवेश पत्र धारी को ही मिलेगी अनुमति:- मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने कहा कि मतगणना केन्द्र में प्रवेश की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। मतगणना केन्द्र में केवल प्रवेश हेतु प्राधिकार पत्रधारी अधिकारियों, कर्मचारियों, मतगणना एजेंट, पत्रकारों व सुरक्षा कर्मियों को ही प्रवेश की अनुमति रहेगी। मतगणना केन्द्र परिसर के बाहर भीड़ के प्रबंधन के लिये भी आवश्यक व्यवस्थाएँ करें।

पर्याप्त मात्रा में लगायें सीसीटीवी कैमरे:- परिसर के बाहर व अंदर पर्याप्त मात्रा में सीसीटीवी कैमरे लगाये जाएं और हर गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जाए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने कहा कि सभी रिटर्निंग अधिकारी मतगणना के संबंध में सभी नियमों व दिशा-निर्देशों का अच्छी तरह से अध्ययन कर लें और तदनुसार बिना किसी बाधा के मतगणना सम्पन्न कराएं। श्री राजन ने शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराने के लिये मध्यप्रदेश के सभी 29 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों तथा पुलिस अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि यह एक बड़ा टीम वर्क था, जो बिना किसी बाधा के बखूबी पूरा किया गया।

कार्यालय अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)

क्रमांक-क्यू/2024 — मंदसौर, दिनांक 28.05.2024

विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वाहन क्रमांक एमपी 09 एसी 4087 जो कि इस कार्यालय में बगदीराम पिता मांगीलाल पाटीदार, निवासी-गांव गंगाखेड़ी, तह.-सीतामऊ, जिला मंदसौर के नाम से पंजीकृत है।

यह सूचित किया जाता है कि वाहन स्वामी की मृत्यु दिनांक 06.05.2021 को हो चुकी है इसलिए उक्त वाहन का अंतरण अपने नाम से करने हेतु इनकी पत्नी श्रीमती चंदाबाई पति बगदीराम पाटीदार निवासी-गांव गंगाखेड़ी, तह.-सीतामऊ, जिला मंदसौर ने इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया है। इस संबंध में जिस व्यक्ति को आपत्ति हो वह विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिवस के अंदर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्रस्तुत किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। अंतरण आवेदक के नाम पर कर दिया जावेगा।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर

आवश्यकता है

रेडीमेड कपड़ों की दुकान के लिए

सेल्समेन की आवश्यकता है

वेतन योग्यतानुसार

दिलीप स्टोर्स

कालाखेत, मंदसौर, मो.-8839455308

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्िया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in